▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 305 ▸▸मुंबई, रविवार, 11 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

बीडीडी और स्वयंपुनर्विकास से,
'मराठी माणूस' को मिला घर,
कोस्टल, अटल सेतु और मेट्रो से
आसान और तेज़ हुआ सफर।

जो वचन देते हैं, उसे पूरा भी करते हैं,
'मुंबईकर' के लिए और भी बहुत कुछ कर रहे हैं...

गति है विकास की
भाजपा
हमारे विश्वास की

भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

कमल का बटन दबाएँ,
भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएँ

प्रकाशक: भारतीय जनता पार्टी, मुंबई
सीडीओ बैरेक्स 1, एलआईसी कार्यालय के सामने, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021

सड़क सुरक्षा सप्ताह 2026 का भव्य आगाज

श्रेयस तलपड़े ने युवाओं को दिया 'पुष्पा स्टाइल' में संदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे पुलिस ट्रैफिक विभाग द्वारा आयोजित 'सड़क सुरक्षा सप्ताह - 2026' का उद्घाटन शनिवार को राम गणेश गडकरी रंगायतन में अभिनेता श्रेयस तलपड़े की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जहाँ उन्होंने युवाओं को अपनी गलतियों से सीखने और आग की तरह जलने के बजाय फूल की तरह खिलकर नियमों का पालन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान तलपड़े ने 'पुष्पा स्टाइल' में सिग्नल पर रुकने का संदेश देते हुए सभी को यातायात नियमों की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने ट्रैफिक नियमों की अनिवार्यता पर जोर दिया, जबकि मनपा आयुक्त सौरभ राव ने सुरक्षित जीवन के लिए 'मानसिक ब्रेक' यानी संयम को महत्वपूर्ण बताया। संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन और डीसीपी पंकज शिरसाठ की उपस्थिति में शुरू हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है।

मीरा भायंदर में भाजपा का घोषणापत्र जारी

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक नरेंद्र मेहता ने मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए पार्टी ने 'मीरा-भायंदर के विकास का संकल्प' लिया है। इसमें शहर को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए एक विस्तृत रोडमैप पेश किया गया है।

सड़क-मेट्रो-पानी जैसे लुभावने वादे किए

घोषणापत्र पत्र में क्या?

पानी की समस्या सुलझाने के लिए सूर्य परियोजना और 75 एमएलडी की नई योजना के जरिए 24 घंटे जलापूर्ति का भरोसा दिलाया गया है। पार्टी ने कहा कि अगर वह नगर निकाय में सत्ता में आती है, तो वह एक नया 300 बेड का सिविल अस्पताल स्थापित करेगी। इसके साथ ही मौजूदा पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल का आधुनिकीकरण करेगी और अधिक आयुष्मान भारत कार्ड केंद्र खोलेगी। इसके साथ ही पार्टी ने स्थानीय जरूरतों के अनुसार क्लस्टर विकास नीति लागू करना, झुग्गियों का पुनर्विकास करके आधुनिक शौचालय और जलापूर्ति सुनिश्चित करना, पेनकरपाड़ा कचरा प्रोजेक्ट रद्द करना, बायोडायवर्सिटी पार्क बनाना, हवा और ध्वनि प्रदूषण कंट्रोल करना, और महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए हाई-टेक कैमरा सर्विलांस टावर लगाना शामिल है।

पार्टी ने किये विकास के वादे

महायुति के दो सहयोगी भाजपा और शिवसेना नगर निकाय पर नियंत्रण पाने की दौड़ में हैं। घोषणापत्र में 'ट्रिपल इंजन' सरकार पर जोर दिया गया है, ताकि केंद्र और राज्य की सत्ता का लाभ स्थानीय विकास में मिल सके। पार्टी ने शहर को गड्ढों से मुक्त करने के लिए 100 से ज्यादा नई कंक्रीट सड़कें बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, मेट्रो रेल, दहिसर-भायंदर लिंक रोड और जेसल पार्क-घोड़बंदर कोस्टल रोड को पूरा करने की बात कही गई है, जिससे मुंबई की यात्रा का समय काफी कम हो सके।

शत-प्रतिशत मतदान के लिए शहर भर में जागरूकता अभियान

ठाणे मनपा चुनाव

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के आगामी चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव और स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न प्रभागों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस पहल के तहत दिवा के दातिवली तालाब पर नुक्कड़ नाटक के जरिए नागरिकों को लोकतंत्र में उनकी भागीदारी का महत्व समझाया गया, जबकि मुंब्रा के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे पेट्रोल पंप और सब्जी मंडियों में लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया गया। वहीं कलवा उप-डाकघर में भारतीय डाक विभाग के कर्मचारियों को मतदान की शपथ दिलाई गई और वागले प्रभाग के स्कूलों में छात्रों ने 'मतदान' ऐप की जानकारी साझा करते हुए जागरूकता रैलियां निकालीं।

इन विविध कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सचेत करना है ताकि 15 जनवरी को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

भुसावल मंडल के हिमांशु रामदेव को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

भुसावल मंडल के वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (ऑपरेशन्स) हिमांशु रामदेव को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (AVRSP) 2025 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें 9 जनवरी 2026 को माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

यह समारोह रेलवे सप्ताह के 70वें संस्करण के अवसर पर द्वारका स्थित 'यशोभूमि' कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ, जहाँ भारतीय रेलवे के उत्कृष्ट कर्मियों को उनके असाधारण कार्यों के लिए सराहा गया।

तकनीकी नवाचार और 'OHMS' ऐप का विकास

हिमांशु रामदेव को यह सम्मान उनके द्वारा विकसित किए गए क्रांतिकारी डिजिटल समाधानों के लिए दिया गया है। उन्होंने रेलवे क्रू की सहायता के लिए 'यार्ड सिग्नल लेआउट ऐप' और क्रू के कार्य घंटों की सटीक निगरानी के लिए 'OHMS' ऐप विकसित किया। इन तकनीकी नवाचारों का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिचालन को आधुनिक बनाना और मैदानी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की दक्षता में सुधार करना था। उनके इन प्रयासों ने रेलवे व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के सफल एकीकरण का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया है।

परिचालन दक्षता में सुधार और विफलताओं में कमी

इन ऐप्स के उपयोग से रेलवे की परिचालन व्यवस्था पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आंकड़ों के अनुसार, इन नवाचारों के लागू होने से क्रू से संबंधित विफलताओं और ट्रेनों की देरी के मामलों में 59% की भारी कमी दर्ज की गई है। उनके इस योगदान से न केवल भुसावल मंडल, बल्कि संपूर्ण रेलवे की कार्यप्रणाली में सुधार हुआ है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए उन्हें रेलवे प्रशासन के सभी स्तरों से सराहना और हार्दिक बधाई मिल रही है।

त्योहारी सीजन के लिए 16 अतिरिक्त ट्रिप की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

यात्रियों की भारी मांग को पूरा करने के लिए रेलवे कलाबुरगी-बेंगलुरु कैंट स्पेशल ट्रेन की सेवाओं में 16 अतिरिक्त ट्रिप की वृद्धि करेगा। यह विस्तार विशेष रूप से वीकेंड (शनिवार और रविवार) के लिए किया गया है, ताकि मकर संक्रांति और होली के दौरान यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा हो सके। इन ट्रेनों के संचालन से बेंगलुरु और उत्तर कर्नाटक के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

ट्रेनों का संशोधित समय और संचालन अवधि

नई समय सारणी के अनुसार, बेंगलुरु कैंट-कलाबुरगी साप्ताहिक स्पेशल (ट्रेन संख्या 06207) अब हर शनिवार को 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। वहीं, वापसी दिशा में कलाबुरगी-बेंगलुरु कैंट. साप्ताहिक स्पेशल (ट्रेन संख्या 06208) अब हर रविवार को 1 मार्च 2026 तक संचालित होगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन विशेष ट्रेनों के कोच कंपोजिशन और पहले से निर्धारित समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सोलापुर डिवीजन के प्रमुख स्टॉपेज

मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन के अंतर्गत आने वाले दो महत्वपूर्ण स्टेशनों पर इन ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया गया है। ये ट्रेनें कलाबुरगी और शाहबाद स्टेशनों पर रुकेंगी, जिससे स्थानीय यात्रियों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेंगलुरु जाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। त्योहारों के मद्देनजर इन स्टेशनों पर अतिरिक्त भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था भी की जा सकती है।

iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर क्षमता निर्माण सेमिनार का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सोलापुर डिवीजन ने 8 जनवरी 2026 को रेलवे कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 75 कर्मचारियों ने भाग लिया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य आधिकारिक कामकाज में प्रभावशीलता लाना और कर्मचारियों को आधुनिक कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रेलवे-विशिष्ट, तकनीकी और गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी और लाइव डेमो के जरिए कोर्स एनरोलमेंट की प्रक्रिया समझाई।

सेमिनार में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि क्षमता निर्माण की यह पहल केवल कार्यालय तक सीमित न रहकर फील्ड में तैनात कर्मचारियों तक भी पहुँचनी चाहिए। कर्मचारियों को सूचित किया गया कि निर्धारित iGOT कोर्स पूरा करना अब उनकी वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (APAR) से जोड़ दिया गया है। यह कदम जवाबदेही तय करने और कर्मचारियों में निरंतर सीखने की प्रवृत्ति (Lifelong Learning) को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि वे कर्मा पॉइंट्स और डिजिटल सर्टिफिकेट के माध्यम से अपनी प्रगति दर्ज कर सकें।

मिशन कर्मयोगी और 'विकसित भारत' का विजन

यह पहल 'मिशन कर्मयोगी' (NPCSCB) का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप एक सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा तैयार करना है। वर्ष 2022 में लॉन्च किया गया iGOT प्लेटफॉर्म वर्तमान में कई भाषाओं में 1,600 से अधिक पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। सीनियर डिवीजनल कार्मिक अधिकारी (Sr. DPO) के मार्गदर्शन में आयोजित यह सेमिनार दर्शाता है कि सोलापुर डिवीजन अपने कर्मचारियों को नई चुनौतियों के लिए सशक्त बनाने और भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गुलशन कुमार हत्याकांड के दोषी की जेल में मृत्यु

डीबीडी संवाददाता । ठाणे/मुंबई

प्रसिद्ध संगीत कंपनी 'टी-सीरीज' के संस्थापक गुलशन कुमार की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे 60 वर्षीय दोषी मोहम्मद रऊफ दाऊद मर्चेंट की शनिवार को मृत्यु हो गई। मर्चेंट महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित हरसुल जेल में बंद था। वह साल 2002 से इस सनसनीखेज हत्याकांड में दोषी ठहराए जाने के बाद से ही अपनी सजा काट रहा था। जेल अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 8 जनवरी की सुबह की है जब रऊफ मर्चेंट अपनी बैरक में नमाज पढ़ रहा था। उसी दौरान उसे सीने में अचानक तेज दर्द महसूस हुआ और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे तत्काल जेल प्रशासन द्वारा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मृत्यु का मुख्य कारण गंभीर दिल का दौरा (Heart Attack) बताया गया है। मृत्यु के बाद मर्चेंट के परिजनों को सूचित किया गया, जो ठाणे जिले के मुंब्रा (अमृत नगर) से छत्रपति संभाजीनगर पहुंचे। शनिवार शाम को परिजन शव लेकर मुंब्रा रवाना हुए, जहाँ उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस मामले में हरसुल पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु (ADR) का मामला दर्ज किया गया है और जेल प्रशासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है।

ठाणे आरटीओ ने टीएमटी कर्मियों को दिया जीवन रक्षक प्रणाली का प्रशिक्षण

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) ने 'रोड सेफ्टी कैंपेन 2026' के अंतर्गत ठाणे मनपा परिवहन (TMT) के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण वर्कशॉप का आयोजन किया। ठाणे के वागले एस्टेट डिपो में आयोजित इस सत्र का मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों और कंडक्टरों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) और बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) की तकनीक सिखाना था। इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सड़क हादसों या हार्ट अटैक के समय शुरुआती कुछ मिनटों की सही मदद किसी व्यक्ति को जीवनदान दे सकती है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र में किम्स अस्पताल के इमरजेंसी विभाग के प्रमुख डॉ. अंकित बियानी ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि एम्बुलेंस आने से पहले एक आम आदमी की तत्परता कैसे किसी का परिवार उजड़ने से बचा सकती है। कार्यशाला में 110 परिवहन कर्मचारियों ने भाग लिया और डमी (पुतलों) पर सीपीआर का अभ्यास किया। इस प्रैक्टिकल ट्रेनिंग से कर्मचारियों में यह आत्मविश्वास जगा कि वे आपातकालीन स्थिति में केवल गवाह बनने के बजाय जान बचाने वाले रक्षक बन सकते हैं।

सामाजिक जिम्मेदारी और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

परिवहन विभाग ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि टीएमटी ड्राइवर और कंडक्टर, जो प्रतिदिन हजारों यात्रियों के संपर्क में रहते हैं, अक्सर हादसों के पहले गवाह होते हैं। इसलिए, प्राथमिक उपचार का ज्ञान होना उनकी सामाजिक जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण के दौरान यातायात नियमों के पालन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चालक की शारीरिक सतर्कता जितनी जरूरी है, उतनी ही उसकी मानसिक स्थिरता भी महत्वपूर्ण है।

आर्थिक रूप से निर्बल विद्यार्थियों के लिए रिजर्व वर्ग में प्रवेश शुरू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए शिक्षा के अधिकार (RTE) एक्ट के तहत प्रवेश प्रक्रिया का पहला चरण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। इसके माध्यम से निजी बिना सहायता प्राप्त (Unaided) और स्व-वित्तपोषित (Self-financed) स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के छात्रों के लिए 25% सीटें आरक्षित की गई हैं। ठाणे जिला परिषद के अनुसार, स्कूलों के ऑनलाइन पंजीकरण और सत्यापन के लिए संबंधित वेबसाइट पर लिंक सक्रिय कर दिया गया है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत हो गई है। प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने स्कूलों के सत्यापन हेतु सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अल्पसंख्यक दर्जे वाले स्कूल, बिना अनुमति के चलने वाले संस्थान, बंद हो चुके स्कूल या स्थानांतरित किए गए स्कूल इस 25% आरक्षित प्रवेश प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होंगे। साथ ही, स्कूलों द्वारा दी गई बोर्ड की जानकारी और उनके आधिकारिक मान्यता पत्र की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी ताकि कोई भी गलत या भ्रामक जानकारी रिकॉर्ड न हो सके।

पंजीकरण की समय सीमा और प्रशासनिक अपील

ठाणे जिला परिषद के शिक्षा अधिकारी बालासाहेब रक्षे ने सभी पात्र स्कूलों को 9 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक अपना पंजीकरण और सत्यापन कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। इस कार्य के लिए नगर पालिकाओं के शिक्षा अधिकारियों और पंचायत समितियों को भी आवश्यक निर्देश भेजे गए हैं। प्रशासन ने सभी संबंधित एजेंसियों से अपील की है कि वे इस प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी, त्रुटिहीन और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए आपसी सहयोग से कार्य करें।

आखिरकार विवादित मनोनीत नगरसेवक ने दिया इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

बालिका दुष्कर्म मामले के सहआरोपी को उम्मीदवार बनाए जाने से हुई थी बीजेपी की किरकिरी

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद की विशेष बैठक में भारतीय जनता पार्टी ने एक चौंकाने वाला निर्णय लिया। पार्टी ने अगस्त 2024 के बहुचर्चित बालिका दुष्कर्म मामले के सहआरोपी तुषार आप्टे को मनोनीत नगरसेवक (पार्षद) पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया। बहुमत के आधार पर भाजपा उन्हें निर्वाचित कराने में सफल रही, लेकिन इस नियुक्ति ने तुरंत ही राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। नगरसेवक पद की शपथ लेने के मात्र 24 घंटे के भीतर ही तुषार आप्टे को अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ा। राज्य स्तर पर भाजपा की भारी किरकिरी और बढ़ते जन आक्रोश को देखते हुए यह कदम उठाया गया। शनिवार को आप्टे ने नगर परिषद के मुख्याधिकारी को अपना इस्तीफा सौंपा। उन्होंने मीडिया से कहा कि उन्होंने यह निर्णय स्वेच्छा से लिया है ताकि उनके संगठन और भाजपा की छवि पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

विपक्ष का तीखा प्रहार

जैसे ही आप्टे की नियुक्ति की खबर फैली, विपक्षी दलों ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत ने इस कदम को संवेदनहीनता की पराकाष्ठा बताया। वहीं, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अविनाश जाधव ने इस नियुक्ति के विरोध में बदलापुर में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी। मीडिया में भी इस फैसले की कड़ी आलोचना हुई, जिससे भाजपा बैकफुट पर आ गई।

नगर परिषद में भाजपा का वर्चस्व

दिसंबर में हुए कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के चुनावों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था। पार्टी ने अध्यक्ष पद सहित कुल 22 सीटें जीती थीं, जबकि उनके सहयोगी दल (अजित पवार गुट की राकांपा) को तीन सीटें मिलीं। इस स्पष्ट बहुमत के कारण ही शुक्रवार को आयोजित विशेष बैठक में मनोनीत सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया आसानी से पूरी कर ली गई थी, जिसमें तुषार आप्टे को भी शामिल किया गया था।

दुष्कर्म मामले में आप्टे की संलिप्तता

अगस्त 2024 में बदलापुर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में दो मासूम बच्चियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न ने पूरे देश को झकझोर दिया था। तुषार आप्टे उस समय स्कूल प्रशासन के सचिव थे।

उन पर आरोप था कि घटना की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने समय पर पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराई। इस लापरवाही के कारण उनके खिलाफ पोक्सो (POCSO) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था, जिसके बाद वे जमानत पर बाहर आए थे।

▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 305 ▸▸मुंबई, रविवार,11 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उड़न दस्तों और निगरानी टीमों की तैनाती

बीएमसी चुनाव 2026 को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए बड़े पैमाने पर निगरानी तंत्र तैनात किया गया है। पूरे शहर में 148 उड़न दस्ते (Flying Squads) और 181 स्थिर निगरानी टीमें (Static Surveillance Teams) तैनात की गई हैं। ये टीमें 24 घंटे सक्रिय रहकर संदिग्ध गतिविधियों, आचार संहिता के उल्लंघन और मतदाताओं को लुभाने के प्रयासों पर पैनी नजर रख रही हैं।

जिला चुनाव अधिकारी के सख्त निर्देश

नगर आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी भूषण गगरानी ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को अत्यधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें और आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने किसी भी लापरवाही के प्रति अधिकारियों को आगाह भी किया है।

चुनावी दुकानदारी पर प्रशासनिक लगाम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में 13 दिसंबर से लागू आदर्श आचार संहिता (MCC) के बाद से चुनाव विभाग और पुलिस प्रशासन बेहद सक्रिय है। 9 जनवरी तक के आंकड़ों के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों से अब तक 286 लाख रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी जब्त की जा चुकी है। यह कार्रवाई आगामी बीएमसी चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि धनबल के प्रभाव को रोका जा सके।

▸▸ बीएमसी चुनाव आचार संहिता के दौरान भारी जब्ती

▸▸ अब तक 286 लाख रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी जब्त

▸▸ 44 .65 करोड़ रुपये मूल्य का 55 किलोग्राम ड्रग्स जब्त

करोड़ों के नशीले पदार्थ और अवैध शराब बरामद

नकदी के अलावा, सुरक्षा एजेंसियों ने नशीले पदार्थों के खिलाफ भी बड़ी सफलता हासिल की है। चुनाव विभाग ने बताया कि अब तक 44 .65 करोड़ रुपये मूल्य का 55 किलोग्राम ड्रग्स जब्त किया गया है। इसके साथ ही, चुनाव को प्रभावित करने के लिए ले जाई जा रही 1,208 .31 लीटर अवैध शराब भी पकड़ी गई है, जिसकी बाजार में

चुनावी अपराधों पर कानूनी कार्रवाई

आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मुंबई के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अब तक चुनाव से संबंधित 13 संज्ञेय (Cognisable) और 14 गैर-संज्ञेय (Non-cognisable) अपराध दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई उन लोगों और समूहों पर की गई है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव नियमों का

अवैध हथियारों पर पुलिस का शिकंजा

चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध हथियारों के खिलाफ भी सघन अभियान चलाया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 9 जनवरी तक कुल 197 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं। इनमें 35 आग्नेयास्त्र (बंदूकें), 50 जिंदा कारतूस और 112 धारदार हथियार शामिल हैं। प्रशासन का लक्ष्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या डराने-धमकाने की घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है।

शहर भर में सघन जांच अभियान

स्थिर निगरानी टीमों को शहर के प्रवेश द्वारों और महत्वपूर्ण चौकियों पर तैनात किया गया है ताकि नकदी, शराब और हथियारों के अवैध परिवहन को रोका जा सके। ये टीमें हर संदिग्ध वाहन की तलाशी ले रही हैं। साथ ही, उड़न दस्ते वार्ड स्तर पर गश्त कर रहे हैं ताकि किसी भी प्रकार के प्रलोभन या संदिग्ध लेनदेन की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके।

ब्रीफ न्यूज़

केरल के अलप्पुझा में बर्ड फ्लू

केरल। केरल के अलप्पुझा जिले के कुछ इलाकों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) की पुष्टि हुई। इस संक्रमण को रोकने के लिए शनिवार को 7,625 पक्षियों को मार दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई करुवट्टा और पल्लिप्पाड पंचायतों में की गई। दो पंचायतों में कार्रवाई पल्लिप्पाड पंचायत में 2,886 जबकि करुवट्टा पंचायत में शाम तक 4,739 पक्षियों को नष्ट किया गया। यह अभियान पशुपालन विभाग की रैपिड रिस्पॉन्स टीम के नेतृत्व में चलाया गया, जिसने प्रभावित क्षेत्रों में सफाई और सैनिटाइजेशन का काम भी किया।

सोमनाथ पहुंचे पीएम मोदी

सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 12 जनवरी तक 3 दिन के गुजरात के दौरे पर हैं। शनिवार शाम वे राजकोट से हेलिकॉप्टर के जरिए सोमनाथ पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद सोमनाथ मंदिर पहुंचे। सोमेश्वर महादेव की महाआरती की। इसके बाद 72 घंटे चलने वाले ऊं जाप में शामिल होकर ऊं जाप भी किया। इसके बाद पीएम ने ड्रोन शो भी देखा, जिसमें 3 हजार ड्रोन से सोमनाथ गाथा प्रस्तुत की गई। रोड शो के दौरान पीएम को देखने के लिए सड़क के दोनों और भीड़ मौजूद रही थी। मंदिर पहुंचने से पहले पीएम ने सोमनाथ सर्किट हाउस में सोमनाथ के ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग भी की थी। दरअसल पीएम मोदी ने सोमनाथ पर 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर हो रहे इस कार्यक्रम को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' नाम दिया है। पर्व 8 से 11 जनवरी तक मनाया जा रहा है। पीएम मोदी 11 जनवरी की सुबह करीब 9:45 बजे शौर्य यात्रा में शामिल होंगे। करीब 2 किमी लंबी इस यात्रा में 108 घोड़े नजर आएंगे। शौर्य यात्रा सोमनाथ मंदिर की रक्षा में प्राणों की आहुति देने वाले योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए निकाली जाती है। यात्रा का समापन सोमनाथ के सद्भावना मैदान में होगा।

'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान का आगाज़

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा की जगह नया कानून 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन' (VB-GRAMJ) लागू करने के विरोध में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' नामक देशव्यापी आंदोलन शुरू किया है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि नीतिगत फैसलों और प्रशासनिक बदलावों के जरिए ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस का तर्क है कि इस नए बदलाव से ग्रामीणों से उनके काम और आजीविका का कानूनी अधिकार छीना जा रहा है, जिसकी बहाली के लिए यह संघर्ष शुरू किया गया है।

'सभी नगर निगमों में होगा भाजपा गठबंधन का महापौर'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

▸▸ सीएम फडणवीस ने किया दावा

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आत्मविश्वास जताया कि महाराष्ट्र के सभी 29 नगर निगमों में भाजपा गठबंधन का ही महापौर चुना जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन पूरी तरह से 'विकास' के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य स्थानीय निकायों में सत्ता हासिल कर शहरी प्रशासन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। मुंबई की समस्याओं पर चर्चा करते हुए फडणवीस ने कहा कि शहर की परिवहन और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों को हल करने के लिए एक व्यापक प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने 400 किलोमीटर लंबे मेट्रो नेटवर्क, उपनगरीय रेलवे की सुविधाओं में सुधार और 'सिंगल टिकट सिस्टम' जैसी योजनाओं का जिक्र किया। उनके अनुसार, 'ईज ऑफ डूइंग' नीति के कारण विकास कार्यों की

ट्रैफिक और प्रदूषण मुक्ति के लिए आगामी योजनाएं

ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने कोस्टल रोड (वर्सोवा से विरार), वर्ली-शिवडी कनेक्टर और ईस्टर्न-वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के विस्तार की योजनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को बढ़ाने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से समुद्र में जाने वाले गंदे पानी को रोकने के प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से मुंबई की तस्वीर बदल जाएगी।

राज ठाकरे के 'बाहरी' वाले बयान पर पलटवार

मनसे प्रमुख राज ठाकरे के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'जिसका जन्म मुंबई में नहीं हुआ वह यहाँ की समस्याएं नहीं समझ सकता', फडणवीस ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुंबई उनकी जन्मभूमि भले न हो, लेकिन 1999 से उनकी कर्मभूमि रही है। उन्होंने राज ठाकरे से सवाल किया कि जो लोग सालों से स्थानीय होने का दावा करते रहे हैं, उन्होंने वास्तव में मराठी मानुष और मुंबई के लिए क्या ठोस काम किया है।

बालासाहेब ठाकरे का दिया उदाहरण

अपनी बात को पुख्ता करने के लिए फडणवीस ने एक ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि महान नेता स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और उनके पिता प्रबोधनकर ठाकरे का जन्म भी मुंबई में नहीं हुआ था। इसके बावजूद, बालासाहेब ने मुंबई और मराठी अस्मिता के लिए जो योगदान दिया, वह अतुलनीय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी शहर के प्रति समर्पण और उसकी समझ जन्मस्थान से नहीं, बल्कि सेवा और विजन से तय होती है।

भारी पड़ा पीएम मोदी से 'संग्राम'

▸▸ ब्रिटिश एनआरआई डॉक्टर मुंबई संग्राम पाटिल एयरपोर्ट से गिरफ्तार

▸▸ यह कार्रवाई मोदी सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट के संबंध में की गई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

लंदन में रहने वाले एनआरआई डॉक्टर और लेखक डॉ. संग्राम पाटिल को मुंबई एयरपोर्ट पर उतरते ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। डॉ. पाटिल, जो पेशे से एक चिकित्सक होने के साथ-साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान यूट्यूब के माध्यम से चिकित्सा मार्गदर्शन प्रदान कर काफी ख्याति प्राप्त की थी। उनकी हिरासत की जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट असीम सरोदे ने साझा की, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया।

राजनीतिक प्रतिक्रिया और लोकतंत्र पर सवाल

डॉ. पाटिल की हिरासत को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और सरकार की लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि गृह मंत्रालय और मुंबई पुलिस तत्काल इस हिरासत के कारणों को स्पष्ट करें। विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार के खिलाफ बेबाकी से राय रखने वालों को इस

अन्यायपूर्ण कार्रवाई के आरोप

एडवोकेट असीम सरोदे के अनुसार, डॉ. पाटिल और उनकी पत्नी को लंदन से आगमन के बाद तड़के करीब 2 बजे से पूछताछ के नाम पर रोक कर रखा गया। सरोदे ने इस पूरी कार्रवाई को राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न का हिस्सा करार दिया है। उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस उन्हें किसी बॉन्ड या शर्तों के आधार पर रिहा कर सकती है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी नागरिक को बिना स्पष्ट आरोपों के इस तरह हिरासत में रखना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

'बोलबच्चन' गिरोह का पर्दाफाश

महिला से ठगे गए सोने के गहने 100% बरामद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

के नागपाड़ा इलाके में 'बोलबच्चन' गिरोह ने ठगी की एक शातिर वारदात को अंजाम दिया, जिसमें मीठी बातों और अंधविश्वास का सहारा लेकर एक महिला को निशाना बनाया गया। 2 नवंबर 2025 को जब महिला बाजार जा रही थी, तब दो आरोपियों ने उसे रोककर 'घर की परेशानियां दूर करने' का झांसा दिया। उन्होंने महिला को एक सिक्का सूंघने के बहाने अपनी बातों में उलझाया और सम्मोहित कर उससे करीब पांच तोला सोने की चूड़ियां (कीमत लगभग 5 लाख रुपये) उतरवा लीं और मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी और तकनीक से आरोपियों का सुराग

मामले की शिकायत मिलते ही नागपाड़ा पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच शुरू की। जांच अधिकारी ज्ञानेश्वर शेंदगे और उनकी टीम ने इलाके के लगभग 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। तकनीकी जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी स्थानीय स्तर पर एक गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। गेस्ट हाउस के रिकॉर्ड से मिले मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस ने आरोपियों की लोकेशन उत्तर प्रदेश के अमरोहा में ट्रेस कर ली।

उत्तर प्रदेश में छापेमारी और मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी

पुलिस ने वारदात के महज तीन घंटे के भीतर संदिग्धों की पहचान कर ली थी, जिसके बाद एक टीम तुरंत उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुई। 5 नवंबर की सुबह नागपाड़ा पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमरोहा में रियासत शब्बीर अल्वी (56) के घर पर छापा मारा। भागने की कोशिश कर रहे मुख्य आरोपी को पुलिस ने सफलतापूर्वक दबोच लिया। इस कार्रवाई से गिरोह के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है जो राहगीरों को

पुणे महानगरपालिका चुनाव

क्यों भाई चाचा, हां हां भतीजा

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे की राजनीति में शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों धड़ों के शीर्ष नेता—अजित पवार और सुप्रिया सुले—करीब ढाई साल बाद एक साथ राजनीतिक मंच पर नजर आए। पार्टी में 2023 के विभाजन के बाद यह पहला मौका था जब भाई-बहन ने न केवल मंच साझा किया, बल्कि एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया।

▸▸ पुणे में पवार बनाम पवार नहीं, पवार+पवार

▸▸ अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया, घोषणा पत्र जारी

संयुक्त चुनावी घोषणापत्र 'अष्टसूत्री प्रगति'

दोनों नेताओं ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनावों के लिए एक साझा घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र को 'अष्टसूत्री प्रगति' और 'अष्टधानी नेतृत्व' का नाम दिया गया है। इसमें पुणे के नागरिकों के लिए बुनियादी ढांचे, नागरिक सुविधाओं और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। अजित पवार ने स्पष्ट किया कि भले ही राज्य स्तर पर समीकरण अलग हों, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह गठबंधन कार्यकर्ताओं के बीच नई ऊर्जा भर रहा है।

पुणेवासियों के लिए लुभावने वादे

घोषणापत्र में आम जनता को राहत देने के लिए कई बड़े वादे किए गए हैं। इनमें सबसे प्रमुख 500 वर्ग फीट तक के घरों के लिए संपत्ति कर (Property Tax) माफी और पुणे मेट्रो व PMPML बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा है। इसके अलावा, छात्रों के लिए मुफ्त कंप्यूटर टैबलेट, हाई-टेक स्वास्थ्य सेवाएं, 150 आधुनिक मॉडल स्कूल और स्वरोजगार के लिए ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा भी किया गया है।

बुनियादी ढांचे और पर्यावरण पर जोर

पुणे की पुरानी समस्याओं, जैसे यातायात जाम और पानी की किल्लत को हल करने के लिए 'गड्ढा-मुक्त सड़कें' और 'हर घर नल से जल' का लक्ष्य रखा गया है। घोषणापत्र में झुग्गी पुनर्वास और पुरानी इमारतों के नवीनीकरण के साथ-साथ शहर को प्रदूषण-मुक्त और हरित बनाने के लिए भी रोडमैप पेश किया गया है।

वर्षा गायकवाड और जीशान सिद्दीकी रैली मामले में बरी

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ और एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी को 2023 में गांधी जयंती पर एक रैली के दौरान गैरकानूनी जमावड़े से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया। तीन जनवरी को दिए गए फैसले में, न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम) एस. आर. निमसे ने कहा कि यह गांधी जयंती के लिए एक शांतिपूर्ण रैली थी, और ऐसा कोई सबूत नहीं था जिससे यह पता चले कि समूह 'गैरकानूनी मकसद' से इकट्ठा हुआ था। आदेश में प्रामाणिकता पर गंभीर सवाल भी उठाया गया, क्योंकि एक पुलिस गवाह ने अदालत में एक ऐसे व्यक्ति की पहचान आरोपी के तौर पर की, जो मामले का हिस्सा नहीं था। यह मामला 2023 में दक्षिण मुंबई में महात्मा गांधी जयंती मनाने के लिए गायकवाड़ के नेतृत्व में हुई एक रैली के दौरान की घटना से

नए साल का पहला मिशन ▸ अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट लॉन्च करने के लिए एजेंसी तैयार

इसरो धरती की निगरानी के लिए 12 जनवरी को लॉन्च करेगा नया सैटेलाइट

एजेंसी । चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) नए साल 2026 के अपने पहले अंतरिक्ष अभियान के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी 12 जनवरी को इसरो अपने भरोसेमंद पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV-C62) के जरिए पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-एन1' (EOS-N1) और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में भेजेगा। इस मिशन का प्राथमिक उद्देश्य पृथ्वी की सूक्ष्म निगरानी करना और डेटा एकत्र करना है, जो विभिन्न वैज्ञानिक और रणनीतिक कार्यों में सहायक होगा।

जटिल प्रक्षेपण प्रक्रिया और समय सीमा

पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 12 जनवरी की सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर निर्धारित है। प्रक्षेपण से पूर्व 25 घंटे की उल्टी गिनती (काउंटडाउन) 11 जनवरी से शुरू होगी। यह पूरा मिशन लगभग दो घंटे से अधिक समय तक चलेगा, जिसमें मुख्य उपग्रह के प्रक्षेपण के करीब 108 मिनट बाद स्पेनिश पेलोड को 504 किमी की ऊंचाई पर कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

विदेशी और स्वदेशी पेलोड का समागम

इस मिशन का प्रबंधन इसरो की वाणिज्यिक शाखा 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (NSIL) द्वारा किया जा रहा है। मुख्य उपग्रह के साथ जाने वाले 14 सह-यात्री उपग्रहों में देशी और विदेशी दोनों ग्राहकों के पेलोड शामिल हैं। इसमें विशेष रूप से स्पेनिश स्टार्टअप 'ऑर्बिटल पैराडाइम' का 'केस्ट्रल इनिशियल टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर' (KID) भी शामिल है। यह मिशन न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष बाजार में भारत की बढ़ती व्यावसायिक पैठ को भी दर्शाता है।

पीएसएलवी की उपलब्धियों का सफर

यह पीएसएलवी रॉकेट की 64वीं उड़ान होगी, जो इसकी विश्वसनीयता का प्रमाण है। इसरो के इस 'वर्कहॉर्स' रॉकेट ने अब तक चंद्रयान-1, मंगल ऑर्बिटर मिशन (MOM) और आदित्य-एल1 जैसे भारत के सबसे महत्वाकांक्षी अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस बार का मुख्य पेलोड 'EOS-N1' थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किया गया है, जो 'पिगीबैक मोड' में अन्य छोटे उपग्रहों के साथ उड़ान भरेगा। मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को तिरुपति स्थित प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

संपादकीय

दूषित पेयजल

यह विडंबना ही है कि हमारे नागरिक प्रशासन का नियामक तंत्र आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं होता। यदि समय रहते संवेदनशील या फिर घातक साबित होने वाली स्थिति व परिस्थिति पर नजर रखी जाए तो जनधन की हानि टाली भी जा सकती है। हाल ही में दूषित पेयजल से इंदौर में हुई जन हानि के बाद रोहतक और झज्जर की उन चेतावनियों की अनदेखी नहीं की जा सकती,जिसमें नागरिक घरों में आने वाले गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत करते रहे हैं। निश्चय ही इस स्थिति को जन स्वास्थ्य से जुड़े आपातकाल के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत की जांच-पड़ताल कर अविलंब कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन इसके बावजूद जवाबदेही न निभाने और एक-दूसरे विभाग पर दोष मढ़ने का पुराना सिलसिला ही अकसर सामने आता है। उल्लेखनीय है कि इंदौर की हालिया दूषित पेयजल की त्रासदी में नगरपालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विडंबना यह है कि वहां भी नागरिकों की शुरुआती चेतावनियों को सामान्य शिकायतों के रूप में देखकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि इंदौर में पेयजल पाइपलाइनों में सीवेज का रिसाव हुआ था। यह स्वीकारोक्ति भी तब सामने आई जब बड़ा नुकसान हो चुका था। लगता है कि रोहतक व झज्जर भी इसी तरह के आसन्न खतरे के मुहाने पर खड़े हैं। वैसे देखा जाए तो देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आने वाले ऐसे मामले न तो रहस्यमय हैं और न ही ये कोई नई बात ही है। बुनियादी ढांचागत व्यवस्था का जर्जर होना, सीवर लाइनों में रिसाव, अनियोजित शहरी विस्तार और नागरिक एजेंसियों के बीच आवश्यक समन्वय का अभाव, अकसर ऐसी स्थिति पैदा कर देता है, जहां सीवेज और पीने का पानी खतरनाक रूप से एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न भागों में स्थानीय नागरिक जब-तब आरोप लगाते हैं कि पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की आशंका है। ऐसे में शासन-प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया, इसके सत्यापन, पाइप लाइन की मरम्मत और वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। ऐसे में स्वास्थ्य संकट को दूर करने और अपनी बात मनवाने के लिये यदि नागरिकों को सड़कों पर उतरना पड़ता है तो यह शासन-प्रशासन की विफलता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि जल प्रदूषण का सबसे बुरा असर समाज के कमजोर वर्ग पर ही पड़ता है। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इसकी चपेट में आते हैं। निर्विवाद रूप से दूषित जल से डायरिया, हेपेटाइटिस और अन्य दूषित जल जनित बीमारियों का प्रभाव तेजी से फैलता है। जिसके चलते अफरा-तफरी के बीच अक्सर स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाती है। ऐसे में तंत्र की निष्क्रियता की कीमत आम लोगों को न केवल अस्पताल के भारी-भरकम बिलों के रूप में, बल्कि जानमाल के नुकसान और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास में आई कमी के रूप में भी चुकानी पड़ती है। निश्चित रूप से दूषित पाइपलाइनों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर प्रभावित क्षेत्र में जल स्रोतों का परीक्षण होना चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि प्रभावित क्षेत्र में व्यापक स्तर पर लिए गए पानी के नमूनों की जांच के परिणाम भी सार्वजनिक किए जाएं।

भारत में गरीब मरीजों के लिए सीएसआर की जरूरत

सुजाता मुरकर
सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

भारत में आर्थिक विकास के दावों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था की सच्चाई आज भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। विशेषकर गरीब और वंचित तबके के मरीजों के लिए इलाज आज भी सबसे बड़ा संकट बना हुआ है। बीमारी केवल शरीर को नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक रीढ़ को तोड़ देती है। ऐसे में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) की भूमिका केवल विकल्प नहीं, बल्कि समय की अनिवार्य जरूरत बन चुकी है। भारत में कुल स्वास्थ्य खर्च का बड़ा हिस्सा आम नागरिक अपनी जेब से चुकाता है। विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी अध्ययनों के अनुसार देश में स्वास्थ्य पर होने वाला कुल खर्च का लगभग 50 से 55 प्रतिशत हिस्सा आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर है। यानी इलाज के लिए लोगों को अपनी बचत, जमीन-जायदाद या कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। एक अनुमान के अनुसार हर साल लगभग 6 से 7 करोड़ लोग केवल चिकित्सा खर्च के कारण गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बीमारी भारत में गरीबी को और गहरा करने का एक बड़ा कारण है। ग्रामीण और शहरी गरीबों की स्थिति और भी चिंताजनक है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, दवाओं का अभाव और लंबी कतारें आम बात हैं। निजी अस्पतालों में इलाज आम आदमी की पहुंच से बाहर है। एक साधारण सर्जरी या गंभीर बीमारी का इलाज लाखों रुपये तक पहुंच जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में गरीब परिवार इलाज की लागत के डर से समय पर डॉक्टर तक नहीं पहुंच पाते, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है और मृत्यु दर बढ़ती है। यहीं पर सीएसआर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनी अधिनियम 2013 के तहत भारत में बड़ी कंपनियों को अपने औसत लाभ का कम से कम 2 प्रतिशत सीएसआर पर खर्च करना अनिवार्य है। वर्तमान में भारत में सीएसआर के तहत हर साल लगभग 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन इस राशि का बड़ा हिस्सा शिक्षा, स्वच्छता और कौशल विकास में जाता है, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सीएसआर का प्रभाव यदि सही दिशा में किया जाए, तो यह लाखों गरीब मरीजों के जीवन में बदलाव ला सकता है। सीएसआर के माध्यम से मुफ्त या सस्ती दवाइयां, मोबाइल मेडिकल यूनिट, कैंसर और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए सहायता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, और ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत किया जा सकता है। कुछ कॉरपोरेट समूहों ने डायलिसिस सेंटर, कैंसर अस्पताल और मुफ्त सर्जरी कार्यक्रम चलाकर यह साबित किया है कि सीएसआर केवल कागजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकता है। गरीब मरीजों की वर्तमान दशा यह है कि वे इलाज और रोजमर्रा की जरूरतों के बीच चयन करने को मजबूर हैं। बीमारी उनके लिए केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक आपदा बन जाती है। कई मामलों में परिवार का कमाने वाला सदस्य बीमार पड़ जाता है, जिससे पूरा परिवार कर्ज के दलदल में फंस जाता है। महिलाओं और बच्चों पर इसका असर सबसे अधिक पड़ता है, क्योंकि उनके इलाज को अक्सर प्राथमिकता नहीं दी जाती। अब दिशा की बात करें तो सीएसआर को दान या प्रचार के साधन से आगे बढ़कर एक दीर्घकालिक स्वास्थ्य निवेश के रूप में देखना होगा। कंपनियों को सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर ऐसे मॉडल विकसित करने होंगे, जो स्थायी हों। उदाहरण के लिए, किसी जिले में मातृ मृत्यु दर घटाने के लिए पांच से दस साल का सीएसआर प्रोजेक्ट, या किसी आदिवासी क्षेत्र में कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ निरंतर अभियान। इसके साथ ही पारदर्शिता और प्रभाव मूल्यांकन भी जरूरी है। सीएसआर की राशि कहां और कैसे खर्च हो रही है, इससे कितने लोगों को वास्तविक लाभ मिला—इन सवालों के जवाब स्पष्ट होने चाहिए। जब सीएसआर का फोकस गरीब मरीजों के इलाज, रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता पर होगा, तभी यह देश की स्वास्थ्य तस्वीर बदलने में मददगार बनेगा। निष्कर्षतः, भारत जैसे देश में जहां गरीबी और बीमारी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं, वहां सीएसआर केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य है। गरीब मरीजों के लिए सीएसआर की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। यदि कॉरपोरेट जगत संवेदनशीलता, दूरदृष्टि और ईमानदारी से इस दिशा में आगे बढ़े, तो लाखों जिंदगियों को न केवल इलाज मिलेगा, बल्कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार भी सुनिश्चित होगा।

जीवन मंत्र

जब हम दूसरों से अपेक्षाओं की जगह स्वीकार का भाव रखते हैं, तब रिश्तों में तनाव नहीं, बल्कि सहजता आती है। यही सहजता मन को हल्का करती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाती है।

सम्पूर्णता : जीवन को ऊर्जा देने वाली चेतना

सम्पूर्णता का अर्थ केवल सब कुछ पा लेना नहीं, बल्कि जो है उसे पूरे मन से स्वीकार करना है। जब मनुष्य अपने जीवन को खंडों में नहीं, एक समग्र रूप में देखने लगता है, तभी उसके भीतर वास्तविक ऊर्जा का संचार होता है। अधूरेपन की भावना मन को थका देती है, जबकि सम्पूर्णता की अनुभूति जीवन को गति, उत्साह और स्थिरता प्रदान करती है। जीवन में हम अक्सर यह सोचते रहते हैं कि कुछ कमी है—अधिक धन, अधिक मान-सम्मान, अधिक सफलता। इसी दौड़ में हम वर्तमान क्षण की शक्ति को खो देते हैं। सम्पूर्णता हमें सिखाती है कि वर्तमान में जो है, वही पर्याप्त है। जब व्यक्ति इस भाव को समझ लेता है, तब उसकी मानसिक ऊर्जा व्यर्थ की चिंताओं में नष्ट नहीं होती, बल्कि सृजन और विकास में लगने लगती है। सम्पूर्णता का अनुभव तब भी होता है जब हम अपने गुणों के साथ-साथ अपनी सीमाओं को भी स्वीकार करते हैं। स्वयं से संघर्ष करने के बजाय स्वयं से मित्रता करना जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा है। जो व्यक्ति अपनी असफलताओं को भी अपने अनुभव का हिस्सा मान लेता है, वह टूटता नहीं, बल्कि और अधिक मजबूत बनता है। यह सम्पूर्णता संबंधों में भी जीवनदायिनी शक्ति बनती है। जब हम दूसरों से अपेक्षाओं की जगह स्वीकार का भाव रखते हैं, तब रिश्तों में तनाव नहीं, बल्कि सहजता आती है। यही सहजता मन को हल्का करती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाती है। सम्पूर्णता का भाव व्यक्ति को प्रकृति, समाज और स्वयं से जोड़ता है। जब हम यह समझते हैं कि हम इस विराट व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, तब भीतर से आत्मविश्वास जागता है। यही आत्मविश्वास जीवन को नई दिशा देता है। अंततः, सम्पूर्णता कोई बाहरी उपलब्धि नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता है। जब मनुष्य जीवन को जैसा है वैसा स्वीकार कर लेता है, तभी उसका जीवन ऊर्जा से भर उठता है और हर क्षण अर्थपूर्ण बन जाता है।

शख्सियत

मैरी जे. ब्लाइजः संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

मैरी जे. ब्लाइज संगीत की दुनिया का ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपनी आवाज़ से केवल गीत नहीं गाए, बल्कि करोड़ों लोगों के दर्द, संघर्ष और उम्मीदों को शब्द दिए। 11 जनवरी 1971 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रोंक्स इलाके में जन्मी मैरी का बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता।

गरीबी, पारिवारिक अस्थिरता और सामाजिक चुनौतियों के बीच पली-बढ़ी मैरी ने बहुत कम उम्र में जीवन की कठोर सच्चाइयों को देख लिया था। उनका बचपन जॉर्जिया और बाद में न्यूयॉर्क के योंकर्स में बीता, जहां अपराध, नशे और हिंसा का माहौल आम था। ऐसे माहौल में आत्मविश्वास बनाए रखना आसान नहीं था, लेकिन मैरी के भीतर छिपी संगीत की शक्ति ने उन्हें टूटने नहीं दिया। वे चर्च में गाना गाया करती थीं और यहीं से उनके सुरों को दिशा मिली। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, बल्कि दर्द से बाहर निकलने का रास्ता बन गया। मैरी जे. ब्लाइज को पहला बड़ा अवसर तब मिला जब उन्हें रिकॉर्डिंग इंडस्ट्री से जुड़ने का मौका मिला। 1992 में आया उनका पहला एल्बम What's the 411? देखते ही देखते युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गया। इस एल्बम ने आर एंड बी और हिप-हॉप को एक नई पहचान दी। इसके बाद My Life, Share My World और No More Drama जैसे एल्बमों ने उन्हें संगीत की दुनिया में स्थापित कर दिया। उनके गीतों में रिश्तों का दर्द, आत्मसम्मान की तलाश और खुद से लड़ने की सच्ची झलक मिलती है।

मैरी का जीवन केवल सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि आत्मसंघर्ष और आत्मविजय की मिसाल भी है। वे लंबे समय तक अवसाद, नशे की लत और असफल रिश्तों से जूझती रहीं। कई बार ऐसा लगा कि प्रसिद्धि के बावजूद उनका निजी जीवन बिखर रहा है। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने खुद को पहचाना, इलाज कराया और अपने भीतर की कमजोरियों को स्वीकार किया। यही ईमानदारी उनके गीतों को और भी सशक्त बनाती है। संगीत के साथ-साथ मैरी जे. ब्लाइज ने अभिनय की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्मों और वेब सीरीज में उनके अभिनय को सराहना मिली और उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए नामांकन भी प्राप्त हुए। उन्होंने यह साबित किया कि प्रतिभा किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होती। मैरी को "क्वीन ऑफ हिप-हॉप सोल" कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर में कई ग्रैमी पुरस्कार जीते और विश्वभर में करोड़ों एल्बम बेचे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने अपने अनुभवों से दूसरों को ताकत दी। उनके गीत उन लोगों की आवाज बने, जो अकेलेपन, टूटन और असफलता से गुजर रहे थे। मैरी जे. ब्लाइज का जीवन हमें सिखाता है कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, यदि इंसान अपने भीतर झांककर खुद पर भरोसा करे, तो वह अपनी किस्मत बदल सकता है। उनका सफर यह संदेश देता है कि दर्द को दबाने के बजाय उसे अभिव्यक्ति दी जाए, क्योंकि वही दर्द एक दिन ताकत बन सकता है।

जीवन ऊर्जा

लाल बहादुर शास्त्री : 11 जनवरी 1966

निधन

सादगी, साहस और राष्ट्रसेवा का प्रतीक

लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ। वे सादगी, ईमानदारी और निष्ठा के प्रतीक माने जाते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई और जेल भी गए।

प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान देश को साहसपूर्वक नेतृत्व दिया और "जय जवान, जय किसान" का नारा दिया। 11 जनवरी 1966 को ताशकंद में भारत-पाक समझौते के बाद उनका आकस्मिक निधन हो गया। उनका जीवन त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा है। "जय जवान, जय किसान।" देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान सर्वोपरि है। सच्चा लोकतंत्र वही है, जहां जनता की आवाज सुनी जाए। अनुशासन राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त है। ईमानदारी सबसे बड़ी नीति है। हम शांति चाहते हैं, लेकिन कमजोरी की कीमत पर नहीं। जो राष्ट्र अपने सैनिकों और किसानों का सम्मान नहीं करता, वह आगे नहीं बढ़ सकता। नेतृत्व का अर्थ सत्ता नहीं, सेवा है। परिश्रम और त्याग से ही राष्ट्र मजबूत बनता है। देश का भविष्य युवाओं के चरित्र पर निर्भर करता है। संकट के समय धैर्य और साहस ही सच्ची शक्ति होते हैं। गरीबी हटाने का सबसे प्रभावी तरीका आत्मनिर्भरता है। सरल जीवन और उच्च विचार ही मेरी पहचान है। कानून सबके लिए समान होना चाहिए। किसान खुशहाल होगा, तभी देश समृद्ध बनेगा। हम युद्ध में विश्वास नहीं रखते, लेकिन आत्मरक्षा हमारा अधिकार है। लोकतंत्र में नैतिकता का विशेष महत्व है। राष्ट्र की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। संघर्ष ही सफलता की कुंजी है। शक्ति का दुरुपयोग राष्ट्र को कमजोर करता है। आदर्श और व्यवहार में समानता होनी चाहिए। शांति की रक्षा के लिए कभी-कभी बलिदान आवश्यक होता है। नेता वही है जो कठिन समय में भी सत्य का साथ न छोड़े। स्वावलंबन से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। सादा जीवन ही सच्ची महानता है। देशहित सर्वोपरि है, व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं। किसानों की उन्नति ही राष्ट्रीय उन्नति है। नैतिक मूल्यों के बिना राजनीति दिशाहीन हो जाती है। जनसेवा ही लोकतंत्र की आत्मा है। भारत की शक्ति उसकी एकता में है।

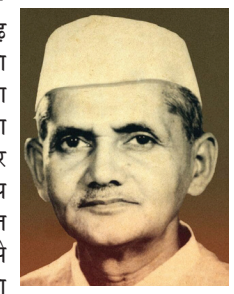

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

दुष्टता की पराकाष्ठा और अनिवार्य विनाश का धर्म

जब-जब मानव जाति के विनाश का काल समीप आता है, तब-तब दुष्टों की दुष्टता अपने चरम पर पहुंच जाती है। यह बात केवल दर्शन नहीं, बल्कि महाभारत जैसे महान ग्रंथ का शाश्वत सत्य है। महाभारत के उद्योगपर्व के 150वंह अध्याय के 20वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण धर्मराज युधिष्ठिर को स्पष्ट शब्दों में सर्वविनाश का संकेत देते हैं—

"न ते राज्यं प्रयच्छन्ति विना युद्धेन पाण्डव।
विनाशहेतवे सर्वे
प्रत्युपस्थितहेतवः॥"

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अर्थात हे पाण्डव, बिना युद्ध के ये लोग तुम्हें राज्य नहीं देंगे, क्योंकि विनाश के सभी कारण अब उपस्थित हो चुके हैं। धर्मराज युधिष्ठिर धर्म, सहनशीलता और क्षमा के प्रतीक थे। दुर्योधन द्वारा किए गए घोर अत्याचार—द्रौपदी का अपमान, छलपूर्वक राज्य हरण और तेरह वर्षों का कठोर वनवास—सब कुछ सहने के बाद भी युधिष्ठिर युद्ध नहीं चाहते थे। उनका मानना था कि युद्ध में केवल तन-मन-धन का ही नहीं, बल्कि मानवता का भी विनाश होता है। इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को राजदूत बनाकर हस्तिनापुर भेजा, ताकि किसी प्रकार शांति स्थापित हो सके। हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र, गांधारी, भीष्म, द्रोण और विदुर जैसे ज्ञानी और धर्मात्मा जन एक स्वर में दुर्योधन को समझाते हैं कि श्रीकृष्ण की संधि स्वीकार कर ले। यहां तक कि महाराज धृतराष्ट्र स्वयं कहते हैं कि यह राज्य वास्तव में पांडवों का है और दुर्योधन अधर्म कर रहा है। किंतु जब दुष्टता बुद्धि पर हावी हो जाती है, तब सत्य, उपदेश और करुणा भी व्यर्थ हो जाते हैं। दुर्योधन इतना दुर्बुद्धि हो चुका था कि उसने भगवान श्रीकृष्ण को भी बंदी बनाने का आदेश दे दिया। श्रीकृष्ण ने अपना विश्वरूप प्रकट कर उसे भयभीत करने का प्रयास किया, किंतु दुर्योधन की आंखों पर अहंकार का पर्दा इतना घना था कि वह फिर भी युद्ध से विमुख नहीं हुआ। तब श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि अब युद्ध अनिवार्य है, क्योंकि विनाश के सभी कारण उपस्थित हो चुके हैं। यहां महाभारत केवल एक युद्धकथा नहीं, बल्कि जीवन का गहरा संदेश देता है। सज्जन स्वभाव से हिंसक नहीं होते। वे सहनशील होते हैं, त्यागी होते हैं और शांति चाहते हैं। लेकिन जब दुष्टों की दुष्टता असह्य सीमा को पार कर जाती है, तब सज्जनों का धैर्य भी टूटता है। जो दुष्ट सज्जनों के धैर्य का सेतु भंग करते हैं, वे अंततः सज्जनों की क्रोधाग्नि में स्वयं भस्म हो जाते हैं। इस संसार की स्थिरता धर्मात्मा, गुणवान और सहनशील स्त्री-पुरुषों से ही बनी रहती है। किंतु जब दुराग्रह, अहंकार और अधर्म बढ़ते हैं, तब विनाश अवश्यंभावी हो जाता है। दुष्ट अपने आत्मनाश के साथ-साथ अपने अनुयायियों और पूरे समाज के विनाश का कारण बनते हैं। यही प्रकृति का नियम है और यही महाभारत का शाश्वत संदेश—जब शांति के सभी द्वार बंद हो जाएं, तब धर्म की रक्षा के लिए युद्ध भी धर्म बन जाता है।

अपने विचार

त्यागी का बयान इनका निजी विचार है और जदयू का उससे कोई लेना-देना नहीं है। राजीव रंजन ने यह भी कहा कि नेता और कार्यकर्ता नहीं जानते हैं कि वो जेडीयू में हैं भी या नहीं। राज्यसभा के चुनाव से पहले त्यागी की सक्रियता को पार्टी ने भाव नहीं दिया है।

-राजीव रंजन
जेडीयू प्रवक्ता

यह इतिहास हमारे सामने एक चुनौती पेश करता है कि आज भारत के हर युवा के अंदर वह आग होनी चाहिए। 'बदला'शब्द सही नहीं है, लेकिन बदला अपने आप में एक शक्तिशाली ताकत है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है। हमें इस देश को वापस उस जगह ले जाना है जहां हम अपने

-अजीत डोभाल
NSA, भारत

हिजाब पहनने वाली महिला एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। पाक के संविधान में लिखा हुआ है कि सिर्फ एक ही मजहब का आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बाबा साहब आंबेडकर का जो संविधान है, वो कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक वजीर-ए-आजम बन सकता है।

-असदुद्दीन ओवैसी
AIMIM प्रमुख

आज हिंदुओं को बांटने की कोशिश हो रही है। जाति, मत, संप्रदाय के नाम पर विभाजन उसी तरह हम लोगो के लिए सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसे बांग्लादेश में हम देख रहे हैं। बांग्लादेश के अंदर जो हो रहा है, उस पर कोई बोल नहीं रहा है।

-योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

चुनावी प्रक्रिया में छात्र स्वयंसेवकों की भूमिका

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने आगामी नगर निगम चुनावों को अधिक समावेशी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। पिछले आम चुनावों की सफलता को देखते हुए, बीएमसी ने शहर के कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे मतदान के दिन के लिए छात्र स्वयंसेवकों की टीमें तैयार करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मतदान केंद्रों पर आने वाले मतदाताओं, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की सहायता करना है, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

वार्ड चुनाव अधिकारियों द्वारा मुंबई के विभिन्न जूनियर कॉलेजों को पत्र भेजे गए हैं। के-वेस्ट वार्ड (अंधेरी पश्चिम) जैसे क्षेत्रों से जारी पत्रों में स्पष्ट किया गया है कि कॉलेजों को अपने एनसीसी, स्काउट और गाइड के छात्रों को मतदान केंद्रों पर तैनात करना चाहिए। प्रशासन ने यह भी कहा है कि यदि विशेष समूहों के छात्र उपलब्ध न हों, तो अन्य इच्छुक छात्रों को भी इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में स्वयंसेवा करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

1,000 से अधिक छात्रों की भागीदारी की उम्मीद

नगर निगम प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार 1,000 से अधिक छात्र स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएँ देंगे। इस पूरी प्रक्रिया का समन्वय बीएमसी के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (Disaster Management Cell) के सहयोग से किया जा रहा है। चूंकि आपदा प्रबंधन विभाग के पास पहले से ही प्रशिक्षित छात्र स्वयंसेवकों का नेटवर्क उपलब्ध है, इसलिए उनकी विशेषज्ञता का लाभ चुनावी भीड़ को प्रबंधित करने और आपातकालीन सहायता प्रदान करने में लिया जाएगा। बीएमसी ने युवाओं को जोड़ने के लिए 'व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी' (SVEEP) के तहत कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसके अंतर्गत छात्रों ने मरीन ड्राइव, दादर बीच और मलाड स्टेशन जैसे प्रमुख स्थानों पर 'फ्लैश मॉब' और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया है। इन गतिविधियों के जरिए नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की जा रही है!

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए विशेष सहायता

अक्सर मतदान केंद्रों पर भारी भीड़ के कारण सुलभता की समस्या उत्पन्न होती है। बीएमसी के अधिकारियों के अनुसार, कई बार वरिष्ठ नागरिक या दिव्यांग मतदाता अकेले केंद्र पर पहुँचते हैं और उन्हें मतदान कक्षों या प्रक्रिया को समझने में कठिनाई होती है। छात्र स्वयंसेवक ऐसे मतदाताओं का मार्गदर्शन करेंगे, उन्हें व्हीलचेयर उपलब्ध कराएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे बिना किसी बाधा के अपना वोट डाल सकें।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू युवाओं को लोकतांत्रिक ढांचे से जोड़ना है। अधिकारियों का मानना है कि इस गतिविधि के माध्यम से छात्र चुनावी प्रक्रिया को करीब से देख सकेंगे और सक्रिय नागरिकता का पाठ सीखेंगे। बीएमसी का उद्देश्य यह संदेश देना है कि मतदान का दिन केवल एक छुट्टी नहीं है, बल्कि एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। इससे युवाओं में चुनावी प्रक्रिया के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ेगी।

भांडुप बस एक्सीडेंट

बेस्ट ने घायलों के इलाज पर खर्च किए 12 लाख

गंभीर मरीजों का निजी अस्पतालों में उपचार जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भांडुप बस हादसे के पीड़ितों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बेस्ट (BEST) प्रशासन ने अब तक 12 लाख रुपए से अधिक की चिकित्सीय सहायता प्रदान की है। हादसे में घायल यात्रियों को शहर के विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बेस्ट के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से घायलों के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं ताकि उन्हें समय पर और उचित उपचार मिल सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घायलों की जान बचाना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

गंभीर मरीजों के उपचार पर विशेष ध्यान

हादसे में घायल दो यात्रियों की स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें फ्रैक्चर और आंतरिक रक्तस्राव जैसी गंभीर चोटें आई थीं। इन दोनों का इलाज निजी अस्पतालों में चल रहा है, जिस पर अब तक 10.66 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसमें से एक मरीज के इलाज पर 9.41 लाख और दूसरे पर 1.24 लाख रुपए की राशि खर्च हुई है। बेस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंगल के अनुसार, यह अब तक की सबसे अधिक उपचार लागत है, जिसे विभाग द्वारा वहन किया जा रहा है। बेस्ट प्रशासन ने घोषणा की है कि हादसे में घायल अन्य सभी मरीजों का खर्च भी विभाग द्वारा ही उठाया जाएगा, चाहे वे किसी भी अस्पताल में इलाज करा रहे हों। डॉ. सिंगल ने भरोसा दिलाया है कि आगे भी फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के भाई ने 124 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के छोटे भाई मकरंद नार्वेकर बीएमसी चुनाव 2026 के सबसे धनी उम्मीदवारों में से एक बनकर उभरे हैं। वार्ड नंबर 226 से भाजपा के टिकट पर तीसरी बार चुनाव लड़ रहे मकरंद ने 124.4 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की है। चुनावी हलफनामे के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में उनकी और उनकी पत्नी की संपत्ति में 1,868 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। तुलनात्मक रूप से देखें तो 2012 में उनकी संपत्ति 3.67 करोड़ रुपये थी, जो 2017 में बढ़कर 6.3 करोड़ रुपये हुई और अब 124 करोड़ के पार पहुंच गई है।

मकरंद नार्वेकर के अलावा 'सबसे अधिक संपत्ति' वाले उम्मीदवारों की सूची में अन्य प्रमुख नाम भी शामिल हैं। पूर्व शिवसेना विधायक सदा सर्वंकर के बेटे समाधान सर्वंकर ने 46.59 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। वहीं, शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार और पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव ने 46.34 करोड़ रुपये की संपत्ति का विवरण दिया है। संपत्ति में हुई इस तीव्र वृद्धि पर जब मकरंद नार्वेकर से स्पष्टीकरण माँगा गया, तो उन्होंने पुनः पुष्टि करने की बात कही, हालांकि अब तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है।

नामांकन प्रक्रिया और प्रतिद्वंद्वियों के आरोप

वार्ड 226 में मकरंद नार्वेकर की चुनावी राह विवादों से घिरी नजर आ रही है। विपक्षी दलों ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर नामांकन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने और सीसीटीवी फुटेज के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है, जिसे उन्होंने रबेबुनियादर करार दिया है।

महायुति के संयुक्त घोषणापत्र पर कांग्रेस का प्रहार

मुंबई। महाराष्ट्र के आगामी नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। एनसीपी के दोनों गुटों (अजित पवार और शरद पवार समूह) द्वारा कुछ शहरों के विकास के लिए साझा घोषणापत्र जारी किए जाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने इस गठबंधन और चुनावी रणनीति को एक 'फिक्स्ड मैच' करार दिया है। विपक्षी दल का आरोप है कि यह मतदाताओं को गुमराह करने की एक सुनियोजित साजिश है, जिसमें स्वस्थ लोकतांत्रिक मुकाबले के बजाय सत्ता की बंदरबांट की जा रही है।

'सुनियोजित खेल' और जनता को गुमराह करने का आरोप

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने महायुति (भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजित एनसीपी) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सब एक सुनियोजित खेल का हिस्सा है। उन्होंने तर्क दिया कि बुनियादी ढांचे और आवास की योजनाओं के नाम पर जारी यह घोषणापत्र केवल एक ढोंग है। कांग्रेस का मानना है कि घोषणापत्र के बहाने गुटबाजी खत्म करने का नाटक किया जा रहा है, ताकि वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके। पार्टी ने इसे 'वोटरों को बेवकूफ बनाने वाला कदम' बताते हुए अपना प्रचार अभियान और तेज कर दिया है।

विल्सन कॉलेज जिमखाना का नाम परिवर्तन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के ऐतिहासिक मरीन ड्राइव पर स्थित विल्सन कॉलेज जिमखाना अब आधिकारिक रूप से 'जैन जिमखाना' के रूप में जाना जाएगा। शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और जैन धर्मगुरुओं की उपस्थिति में जैन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन (JIO) ने इस विरासत-सूचीबद्ध क्लब हाउस का नाम बदल दिया। लंबे समय से इस खेल के मैदान को अपने पास रखने की कॉलेज की कोशिशें अब असफल होती दिख रही हैं, क्योंकि मैदान पर अब जैन समुदाय का नियंत्रण स्थापित हो गया है। 1.02 लाख वर्ग फुट के इस विशाल खेल के मैदान का प्रबंधन पहले जॉन विल्सन एजुकेशन सोसाइटी द्वारा किया जाता था। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने 16 मार्च, 2024 को इस भूमि का पट्टा JIO को हस्तांतरित कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ प्रोटेस्टेंट ईसाई समुदाय ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की हैं, जिन पर अभी सुनवाई लंबित है। इससे पहले यह जमीन यूनाइटेड चर्च ऑफ नॉर्दर्न इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन (UCNITA) के पास पट्टे पर थी।

मुख्यमंत्री को श्रेय और राजनीतिक अपील

आध्यात्मिक नेता आचार्य नायपद्मसागर सूरी महाराज ने इस उद्घाटन का श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दिया है। उन्होंने कहा कि मुंबई के 20 लाख जैन समुदाय के लिए यह एक अनमोल उपहार है, क्योंकि अब हिंदू, पारसी और मुस्लिम जिमखानों की कतार में जैन समुदाय का भी अपना स्पोर्ट्स क्लब होगा। साथ ही, उन्होंने जैन समुदाय से आगामी नगर निगम चुनावों में भारी संख्या में मतदान करने की अपील भी की। अदालत में मामला लंबित होने के बावजूद उद्घाटन किए जाने पर सवाल भी उठ रहे हैं। अधिवक्ता सिरिल दारा के अनुसार, हाई कोर्ट ने फिलहाल कलेक्टर के हस्तांतरण आदेश पर रोक नहीं लगाई है।

नियमों के उल्लंघन और कब्जे की कार्रवाई

विल्सन कॉलेज द्वारा पट्टा खोने का मुख्य कारण समझौते की शर्तों का उल्लंघन बताया जा रहा है। जिला कलेक्टर ने 5 दिसंबर, 2023 को जमीन को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद महाराष्ट्र राजस्व न्यायाधिकरण ने भी 11 मार्च, 2024 को कलेक्टर के आदेश की पुष्टि की।

गोरेगांव में घर लगी आग

एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गोरेगांव (पश्चिम) स्थित भगत सिंह नगर इलाके में शनिवार तड़के एक रिहायशी मकान में आग लगने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में 19 वर्षीय युवती और 12 वर्षीय किशोर भी शामिल हैं। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह करीब 3.06 बजे मिली। आग एक ग्राउंड प्लस वन मंजिला मकान में लगी थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर फैली, जहां बिजली की वायरिंग और घरेलू सामान इसकी चपेट में आ गया। इसके बाद पहली मंजिल पर रखे कपड़ों में भी आग फैल गई।

पानी की बाल्टियों से आग बुझाने की कोशिश की

आग लगते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पानी की बाल्टियों से आग बुझाने की कोशिश की। कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बिजली आपूर्ति बंद कर आग पर काबू पाया। करीब 3.16 बजे आग को पूरी तरह बुझा लिया गया। इस दौरान घर के भीतर फंसे तीन लोगों को बाहर निकालकर पुलिस व निजी वाहन से गोरेगांव स्थित ट्रॉमा केयर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की हुई पहचान

मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, तीनों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई थीं। आग लगने के सटीक कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। हालांकि शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग बिजली की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत पर आयोग ने संज्ञान लिया : कांग्रेस

चुनाव आयोग ने केवल शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (SEC) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत पर संज्ञान लिया है। यह मामला 2 जनवरी को मुख्यमंत्री द्वारा मुंबई मेट्रो में यात्रा के दौरान एक टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू से जुड़ा है। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव के समय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग राजनीतिक प्रचार या इंटरव्यू के लिए करना नियमों के विरुद्ध है।

चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया और वर्तमान स्थिति

हालांकि कांग्रेस ने आयोग द्वारा संज्ञान लिए जाने का दावा किया है, लेकिन चुनाव आयोग के आधिकारिक सूत्रों ने फिलहाल केवल शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है। अभी तक आयोग की ओर से मुख्यमंत्री के खिलाफ किसी भी प्रकार की औपचारिक कार्रवाई या नोटिस जारी करने की पुष्टि नहीं हुई है।

कांग्रेस द्वारा सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप

प्रदेश कांग्रेस महासचिव धनंजय शिंदे के अनुसार, पार्टी ने 9 जनवरी को राज्य चुनाव आयुक्त को औपचारिक शिकायत भेजी थी। कांग्रेस का तर्क है कि मुंबई मेट्रो जैसे सार्वजनिक मंच का उपयोग इंटरव्यू के लिए करना आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। पार्टी का मानना है कि सत्ता पक्ष द्वारा सरकारी संसाधनों का उपयोग चुनाव के दौरान अनुचित लाभ लेने के लिए किया जा रहा है, जिस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
इंजीनियरिंग कार्य

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते है : **01 कार्य का नाम** : **Development work at Osmanabad Good shed. 02 अनुमानित लागत** : ₹ **14,04,56,375.21**, **03 बयाना रक्कम : ₹8,52,300.00**, **04 समापन की अवधी :12**(Twelve) Months, **05 अनुरक्षण की अवधी : 24**(Twenty Four) Months, **06. ई निविदा फार्म की किमत** : Nil, 07 **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 06/02/2026 up to 15:00 hrs. **08 वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समय:** 06/02/2026 after 15:30 hrs. **09 वेबसाइट विवरण** : **www.ireps.gov.in,** नोट : संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले इस वेबसाइट पर बार–बार जाएं ताकि इस निविदा वेबसाइट के लिए जारी किए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट कर सकें : **www.ieps.gov.in** ANJ-11

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
विविध कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)–I, पश्चिम रेलवे, इंदौर (म.प्र.) **ई- निविदा संख्या: IND/UJN/SIMHASTHA/01 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** उज्जैन यार्ड में सिंहस्थ–2028 के संबंध में निम्न कार्यों हेतु मुख्य लाइन, लूप/साइडिंग लाइनों तथा स्टेशन/यार्ड में बी.जी. ट्रैक का बिछाना व लिंकिंग, पॉइंट एवं क्रॉसिंग का कार्य, पी-वे सामग्री का परिवहन, मौजूदा ट्रैक का डिस्मेंटलिंग, रेलों की वेल्डिंग, मशीन क्रश्ड स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति व फैलाव सहित थ्रू रेल नवीनीकरण, एम्बैंकमेंट/कटिंग में अर्थवर्क व ब्लैंकेटिंग तथा अन्य सहायक/आकस्मिक विविध कार्य: उज्जैन – एन.सी. यार्ड में स्टेबलिंग लाइन का प्रावधान (सिंहस्थ–2028 के संबंध में)। लोको यार्ड में स्टेबलिंग लाइन का प्रावधान एवं PQRS साइडिंग का स्थानांतरण (सिंहस्थ–2028 के संबंध में)। **अनुमानित लागत:** 14,80,92,147.68 **ईएमडी (जमानत राशि):** 8,90,500/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 06.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 06.02.2026 को 15:30 बजे निविदा के पूर्ण विवरण, पात्रता मानदंड सहित, ई-टेंडर पोर्टल www.ireps.gov.in पर तथा उप मुख्य अभियंता (निर्माण)–I, पश्चिम रेलवे, इंदौर के कार्यालय (प्लेटफॉर्म संख्या 1 के सामने) के सूचना पटल पर उपलब्ध हैं।

0988

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:–** सोला/वि/नि/2025/26. **कार्य का नाम:** सोलापुर डिवीजन के टिककरवाड़ी रेलवे स्टेशन पर ग्रीनफील्ड मेगा रेलवे टर्मिनल के विकास से संबंधित कार्य का विद्युत सामान्य सेवा भाग (चरण–1:– 2 वाशिंग कम पिट लाइनें – 750 मीटर)। **कार्य की लागत** रू. 37,43,368.33/– **बोली प्रतिभूति:** – रू 74,900/– **कार्य पुरा करने की अवधि** – 12 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता:–** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** – दि. 27/01/2026 को 15.00 बजे। **बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई–पेमेंट द्वारा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर करना है।** ANJ-04

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:–** सोला/क.वि./नि/2025/31, **कार्य का नाम** : निम्नलिखित के संबंध मे विदयुत टीआरडी का कार्य : कूर्डूवाडी – लातूर रोड खंड में 1) ढोकी – औसा रोड के बीच 509/2–3, 2) औसा रोड हरंगुल के बीच 517/7–8, 3) लातूर –लातूर रोड के बीच 551/7–8, 4) लातूर – लातूर रोड के बीच 552/1–2, 5) हरंगुल–लातूर के बीच 522/2–3 और कूर्डूवाडी –मिरज खंड में 6) मोडनिंब – पंढरपूर के बीच 416/4–5, 7) पंढरपूर सांगोला के बीच 441/4–5 पर पैदल यात्री सबवे का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 92,83,725.08, **बयाना राशि:** रू 1,85,700/–, **कार्य पुरा करने की अवधि** – 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 05.02.2026 को 15.00 बजे। ANJ-07

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
ई–निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/26/ 01 दिनांक 01 –जनवरी–2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	निविदा क्र.	विविवरण	मात्रा	नियत तिथि
1	27252170बी	गियर व्हील 65 दांत	204 नग	19–जनवरी–26
2	42253086ए	बोगी बोल्स्टर के लिए रबिंग पैड	11114 Nos.	30–जनवरी–26
3	27253244 बी	प्राथमिक स्प्रिंग का सेट	78 सेट	21–जनवरी–26
4	38252182	CASNUB बोगी के लिए हेलिकल स्प्रिंग का सेट जिसमें 3 आइटम शामिल हैं 1) RDSO ड्राइंग नंबर WD-92058-S/5 आइटम–1 Alt-14 के लिए बाहरी स्प्रिंग	188 सेट	22–जनवरी–26
5	42254978 ए	203.2 मिमी x 95.25 मिमी [8 इंच x 3.3/4 इंच, बोगी माउंटेड एयर ब्रेक सिलेंडर स्लैक एडजस्टर के साथ, आरडीएसओ डीआरजी संख्या SK.81057 A	615 नग	30–जनवरी–26
6	27251303 ए	मुख्य गियर व्हील 58 दांत	249 नग	22–जनवरी–26
7	27251187 ए	हार्मोनिक फ़िल्टर के लिए संधारित्र	284 नग	27–जनवरी–26
8	RC62254710	एबॉट एचडीएल अभिकर्मक	280 नग	13–जनवरी–26
9	RC61253073	इंजेक्शन ग्लाइकोपेगिलेटेड रिकॉम्बिनेंट एक्सटेंडेड हाफ लाइफ फैक्टर VIII (यूनिट–IU)	590055 नग	12–जनवरी–26
10	51256053	60 किलोग्राम रेल के लिए सीएमएस क्रॉसिंग 1 इन 12 की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रेंक्ट आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी–4220	600 सेट	27–जनवरी–26
11	51256064	ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट T-6068 और T-4159 के निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रेंक्ट	1480 सेट	27–जनवरी–26
12	51256031 ए	आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी–5919 के अनुरूप इलास्टिक रेल क्लिप्स एमके –वी के माल निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रेंक्ट	12280378 नग	02–फ़रवरी–26
13	27253282	एओएच/आईओएच/पीओएच किट	408 सेट	19–जनवरी–26
14	27253238	बुल गियर 107 दांत	305 नग	19–जनवरी–26
15	50253100	मुख्य रंगीन प्रकाश संकेत के लिए एलईडी सिग्नल लैंप (एकीकृत) आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आरडीएसओ/एसपीएन/199/2025 संशोधन 1.2	1583 नग	19–जनवरी–26
16	36255015	बड़े स्पैन वाला तार 130 वर्ग मिमी (37/2.10 मिमी) स्ट्रैंडेड कैडमियम कॉपर कंडक्टर	5.74 किमी	22–जनवरी–26
17	38255154	इंटर कार गैंगवे माउंटिंग	150 सेट	30–जनवरी–26

नोट : उपरोक्त सभी निविदाएं ई–निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

792 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
विद्युत शक्ति कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (पावर), मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई–टेंडर संख्या: EL-81-917-WA-28(R) दिनांक 07.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान: मुंबई मंडल – अग्रीपाड़ा, मुंबई सेंट्रल एवं नंदुरबार में CHI स्टाफ कार्यालय हेतु स्टोर व चेंजिंग रूम के निर्माण से संबंधित विद्युत (पावर) कार्य। **अनुमानित लागत:** 14,51,970/- **ईएमडी (EMD):** 29,000/- **टेंडर जमा करने की तिथि एवं समय:** 30.01.2026 को 15:00 बजे तक टेंडर खोलने की तिथि एवं समय: 30.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

0992

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
वाणिज्यिक कार्य

Notification No. : GEM/2025/B/6919710 Dt- 09.01.2026, DRM(C) ऑफिस सोलापुर डिवीजन, सोलापुर, लातूर और पंढरपुर गुड्स शेड की सफाई के कॉन्ट्रैक्ट के लिए टू पैकेट सिस्टम के जरिए ओपन ई–टेंडर आमंत्रित करता है। **a.** टेंडर शीर्षक: **सोलापुर डिवीजन के सोलापुर** (SUR), **लातूर** (LUR) **और पंढरपुर** (PVR) **गुड्स शेड में 02 साल की अवधि के लिए गतिविधि के आधार पर हाउसकीपिंग और सफाई कॉन्ट्रैक्ट के लिए टेंडर। b. अनुबंध अवधि** : 2 साल, **c. अनुमानित बोली मूल्य:** ₹ 1,05,47,443.59 **d. ईएमडी:** ₹ 2,02,740 **e.** टेंडर बंद करने की तिथि और समय: 30.01.2026 (**17:00** Hrs.) **f. टेंडर दस्तावेज विवरण : टेंडर डॉक्यूमेंट और पूरी जानकारी** Ge.M **पोर्टल पर उपलब्ध है। किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क कर सकते हैं** : Sr. DCM office, DRM Office, Solapur. Contact No. : 0217-72312207, 6386427873, E-MAIL: srdcm@railnet.gov.in. ANJ-12

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
सिग्नलिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति और केंद्रीय रेलवे, मुंबई सीएसटी 400001 की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसके लिए मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भवन। **क्र.सं. : 1 कार्य का नाम** : मुंबई डिवीजन के कल्याण–इगतपुरी खंड में आरओबी के प्रावधान द्वारा एलसी गेट 54,69,73 को बंद करने के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। निविदा सूचना नं. सीआर/बीबी/सं. एवंदु. सं/उत्तर /2025/69 **लगभग मूल्य** : रु. 2.37 करोड़ **खुलने की तारीख** : 29.01.2026 **ईएमडी** : रु. 268600/– **वैधता** : 60 दिन **समापन अवधी** : 12 महीने **क्र.सं.** : **2 कार्य का नाम** : मुंबई डिवीजन के कल्याण–कर्जत खंड में आरओबी के प्रावधान द्वारा एलसी गेट 16,17,18,19 और 20 को बंद करने के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। निविदा सूचना नं. सीआर/बीबी/सं. एवंदु. सं/उत्तर /2025/70 **लगभग मूल्य** : रु. 2.73 करोड़ **खुलने की तारीख** : 29.01.2026 **ईएमडी** : रु. 286500/– **वैधता** : 60 दिन **समापन अवधी** : 12 महीने **क्र.सं.** : **3 कार्य का नाम** : मुंबई डिवीजन के कल्याण–लोनावाला खंड में आरओबी के प्रावधान द्वारा एलसी गेट 21, 22, 23, 25, 26, 27, 31 और 34 को बंद करने के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। निविदा सूचना नं. सीआर/बीबी/सं. एवंदु.सं/उत्तर/2025/71 **लगभग मूल्य** : रु. 4.14 करोड़ **खुलने की तारीख** : 29.01.2026 **ईएमडी** : रु. 357200/– **वैधता** : 60 दिन **समापन अवधी** : 12 महीने यह निविदा 15/06/2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्यौरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी) के कार्यालय, मुंबई सीएसटी के 'नोटिस बोर्ड' में भी उपलब्ध है। 793

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

न्यूज ब्रीफ

फरार चौकी प्रभारी पर 50 हजार का इनाम

कानपुर। सचेण्डी थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे निलंबित चौकी प्रभारी अमित मौर्य की गिरफ्तारी के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उसकी तलाश में चार विशेष पुलिस टीमें विभिन्न जिलों में लगातार दबिश दे रही हैं। इस प्रकरण में मुख्य आरोपी यूट्यूबर शिवबरन यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, जांच में पुलिस स्तर पर गंभीर लापरवाही उजागर होने के बाद थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि संबंधित एसीपी को लाइन हाजिर और डीसीपी को पुलिस आयुक्त मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी चौकी प्रभारी की तलाश के लिए तकनीकी और मैनुअल दोनों स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

राम जन्मभूमि परिसर से एक संदिग्ध गिरफ्तार

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध गतिविधियों के आरोप में सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया है। बताया गया है कि उक्त व्यक्ति परिसर में धार्मिक अनुष्ठान से इतर गतिविधि करने का प्रयास कर रहा था, जिस पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान कश्मीर निवासी अहमद शेख के रूप में हुई है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, रोके जाने पर उसने कथित तौर पर आपत्तिजनक नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत नियंत्रण में ले लिया गया। घटना के बाद मंदिर परिसर में सुरक्षा और सतर्कता और बढ़ा दी गई है। फिलहाल आरोपी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में अभी तक जिला प्रशासन अथवा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आईटी इंजीनियर की संदिग्ध दशा में मौत

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के सेक्टर-49 थाना क्षेत्र अंतर्गत होशियापुर गांव में किराए पर रह रहे एक युवा इंजीनियर की मौत का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मानसिक दबाव से जूझ रहे इंजीनियर ने अपने कमरे में फांसी लगाने का प्रयास किया, जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय प्रियदर्शनी रंजन तिवारी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के गया जिले का निवासी था और नोएडा की एक आईटी कंपनी में कार्यरत था। घटना के समय वह अपने मित्रों के साथ रह रहा था। देर रात हालत बिगड़ने पर उसके दोस्तों ने तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे बचाया नहीं जा सका।

ठंड के आखिरी माह माघ (जनवरी) सूखी चोटियां दे रहीं खतरे की चेतावनी

हिमालय में बर्फ का सूखा

- गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ में स्थिति असामान्य
- चार वर्षों में बर्फबारी और बरसात में 23 प्रतिशत की गिरावट

उत्तरकाशी। हिमालयी क्षेत्र में इस शीतकाल में बर्फबारी का न होना गहरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। दिसंबर बीत जाने और जनवरी का आधा महीना गुजरने के बावजूद ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं बर्फ की चादर से वंचित हैं। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों की चोटियां असामान्य रूप से सूखी दिखाई दे रही हैं, जिससे पर्यावरणीय असंतुलन के संकेत मिलने लगे हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्थिति केवल मौसमी विचलन नहीं, बल्कि हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। विशेषज्ञ इसे 'बर्फ का सूखा' या हिमालय का एसओएस संकेत मान रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक बीते चार वर्षों में हिमालयी क्षेत्र में बर्फ और वर्षा में लगभग 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड में करीब 90 प्रतिशत तथा हिमाचल प्रदेश और लद्दाख क्षेत्र में लगभग 86 प्रतिशत तक वर्षा की कमी सामने आई है।

हाईलाइट्स

- दिसंबर–जनवरी में बर्फबारी न होने से हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ी चिंता
- गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की चोटियां बर्फ से वंचित
- वैज्ञानिकों ने स्थिति को बताया 'बर्फ का सूखा' और हिमालय का SOS
- उत्तराखंड में लगभग 90 प्रतिशत तक बारिश और बर्फबारी की कमी
- ग्लेशियरों के कमजोर होने से भविष्य में जल संकट की आशंका
- पर्यटन, तीर्थाटन, कृषि और बागवानी पर पड़ रहा सीधा असर
- बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं का खतरा बढ़ा

पर्यटन और टूरिज्म पर भी प्रभाव

उत्तरकाशी स्थित 'स्नो स्पाइडर ट्रेक एंड टूर' के प्रबंध निदेशक भागवत सेमवाल के अनुसार, बर्फबारी न होने से साहसिक पर्यटन और शीतकालीन टूरिज्म लगभग ठप हो गया है। पर्यटक हिमालय की बर्फीली वादियों की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन मौजूदा हालात निराशाजनक हैं। हिमालय की सूखती चोटियां अब केवल एक दृश्य परिवर्तन नहीं, बल्कि आने वाले समय की गंभीर चेतावनी बन चुकी हैं।

2013 में दिखा था प्रकृति का रौद्र रूप

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति भविष्य के जल संकट और संभावित आपदाओं की ओर स्पष्ट संकेत दे रही है। वर्ष 2013 की विनाशकारी आपदा का हवाला देते हुए वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो हिमालयी क्षेत्र को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इस बीच, विशेषज्ञों और पर्यावरण संगठनों ने सरकार और संबंधित मंत्रालयों से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए प्रभावी और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

काले और शुष्क नजर आ रहे पहाड़

पर्यावरणविदों का कहना है कि जनवरी तक बर्फ और बारिश का न होना ग्लेशियरों के स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रहा है। बढ़ते तापमान के कारण बर्फ टिक नहीं पा रही, जिससे पहाड़ काले और शुष्क नजर आने लगे हैं। इसका दुष्प्रभाव न केवल वनस्पति और वन्यजीवों पर पड़ रहा है, बल्कि पेयजल स्रोतों, नदियों और सिंचाई व्यवस्था पर भी संकट गहराता जा रहा है।

नदियों के जलस्तर में होगी गिरावट

विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह स्थिति जनवरी के अंत तक बनी रही तो फरवरी में कमजोर हिम संचय, अनिश्चित वसंत और गर्मियों में नदियों के जलस्तर में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं मानसून के दौरान बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं की आशंका भी बढ़ जाएगी। इसका सीधा असर तीर्थाटन, पर्यटन, बागवानी और कृषि पर पड़ेगा, जिससे पर्वतीय अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लग सकता है।

गुलदार की खाल हड्डियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

- वन्यजीव तस्करी का पर्दाफाश, संगठित नेटवर्क की हो रही जांच

नैनीताल। नैनीताल जनपद में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए वन विभाग और राज्य विशेष कार्यबल की संयुक्त टीम ने किलबरी–पंगूट मोटर मार्ग पर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो गुलदार की खालें तथा बड़ी मात्रा में हड्डियां बरामद की गई हैं, जिससे वन्यजीव अपराध के संगठित नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है।

यह कार्रवाई प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी ममता चंद के निर्देशन में नगर पालिका और नैना वन रेंज की संयुक्त टीम द्वारा की गई। गुप्त सूचना के आधार पर तस्कर की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। जैसे ही आरोपी खालों को बेचने की नीयत से क्षेत्र में पहुंचा, टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महेश सिंह कपकोटी (29 वर्ष), निवासी कपकोट, थाना कपकोट, जिला बागेश्वर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से वन्यजीव अंगों की अवैध तस्करी में संलिप्त रहा है। बरामद खालें और हड्डियां लगभग छह माह पुरानी बताई जा रही हैं।

संरक्षित श्रेणी में शामिल है गुलदार

वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ नगरपालिका वन रेंज नैनीताल में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ के दौरान तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों और संभावित नेटवर्क के नाम उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। वन अधिकारियों ने बताया कि गुलदार वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की प्रथम अनुसूची में शामिल संरक्षित प्राणी है ।

माघ मेले में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता: योगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रशासनिक समन्वय, प्रभावी संवाद और धार्मिक मर्यादाओं के पालन से माघ मेले के सभी प्रमुख स्नान पूरी तरह सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराए जाएंगे। माघ मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शनिवार को प्रयागराज प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि माघ मेला इस वर्ष तीन जनवरी से प्रारम्भ होकर 15 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। इतने लंबे आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी संबंधित विभाग निरंतर निगरानी और आपसी तालमेल के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा आधुनिक तकनीक का उपयोग कर व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि पौष पूर्णिमा के अवसर पर अनुमान से कहीं अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। जहां 10 से 15 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना थी, वहीं 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सकुशल स्नान किया। श्रद्धालुओं ने भगवान वेणी माधव, बड़े हनुमान जी और अक्षयवट के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया, जबकि कल्पवासी एक माह के कल्पवास के दौरान साधना में लीन हैं।

16 जिलों में पारा सात डिग्री से नीचे, दृश्यता बेहद कम

पटना। पहाड़ी क्षेत्रों से आ रही बर्फीली हवाओं के असर से बिहार भीषण शीतलहर की चपेट में है। लगातार गिरते तापमान और घने कोहरे के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि राज्य के कई हिस्सों में सुबह और देर रात दृश्यता बेहद कम हो गई है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ रहा है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार प्रदेश के 16 जिलों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने ठंड की गंभीरता को देखते हुए पटना सहित 32 जिलों में कोल्ड डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विशेष रूप से उत्तर बिहार और दक्षिण-पश्चिमी इलाकों में दिनभर ठंड बनी रहने की चेतावनी दी गई है।

छात्रों को मिलेगी 12 डिजिट की 'अपार' ID

- देशभर में लागू हो रही 'अपार आईडी' की व्यवस्था
- छात्रों की पढ़ाई से करियर तक बनेगी डिजिटल पहचान

प्रयागराज। केंद्र सरकार की "एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी पहचान" की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा अपार आईडी (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) लागू की जा रही है। इसके तहत कक्षा एक से 12वीं तक के प्रत्येक छात्र-छात्रा को 12 अंकों की एक स्थायी और विशिष्ट डिजिटल शैक्षणिक पहचान दी जा रही है, जो देश के किसी भी बोर्ड और राज्य में मान्य होगी। अपार आईडी यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों में तैयार की जा रही है। यह आईडी विद्यार्थी के पूरे शैक्षणिक जीवन का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगी, जिसमें अंक, प्रमाणपत्र, उपलब्धियां और शैक्षणिक प्रगति सुरक्षित रूप से डिजिलॉकर में संरक्षित रहेगी। स्थानांतरण, उच्च शिक्षा और भविष्य की करियर योजनाओं में यह आईडी एक प्रमाणिक दस्तावेज के रूप में काम करेगी।

अपार के लिए अभिभावक की सहमति जरूरी

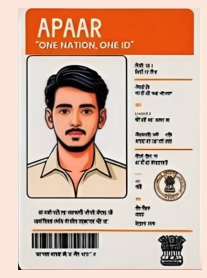

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार के अनुसार प्रयागराज जनपद में इस योजना के तहत परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई-आईसीएसई विद्यालयों, आश्रम पद्धति, अटल आवासीय विद्यालयों और मदरसों के लाखों छात्र-छात्राओं को अपार आईडी से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपार आईडी के निर्माण के लिए अभिभावक या माता-पिता की सहमति अनिवार्य है।

ड्राप आउट बच्चों की पहचान में होगी आसानी

बीएसए ने बताया कि अपार आईडी से न केवल कागजी प्रमाणपत्रों के खोने की समस्या समाप्त होगी, बल्कि ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा शिक्षा से जोड़ना भी आसान होगा। यह आईडी यू-डायस (UDISE) पोर्टल से जुड़े डाटा के आधार पर बनाई जा रही है।

व्यापार जगत

311 IPO के मार्फत कंपनियों ने जुटाए 1.7 लाख करोड़

- भारतीय पूंजी बाजार की मजबूती बरकरार, आईपीओ और निवेशक आधार में रिकॉर्ड विस्तार
- चेन्नई में एसोसिएशन आफ नेशनल एक्सचेंज मेंबर्स आफ इंडिया का मार्केट कन्वेंशन-2026

एजेंसी । चेन्नई

भारतीय पूंजी बाजार ने बीते एक दशक में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया है और निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में ही कंपनियों ने 311 आईपीओ के माध्यम से लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो बाजार की गहराई और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

वे चेन्नई में आयोजित एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्सचेंज मेंबर्स ऑफ इंडिया (ANMI) के 15वें इंटरनेशनल कैपिटल मार्केट कन्वेंशन–2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में नियामकीय सुधारों, पारदर्शिता और डिजिटल ढांचे के सुदृढ़ होने से भारतीय बाजार वैश्विक निवेशकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना है।

मुख्य आंकड़े

- 311 आईपीओ से 1.7 लाख करोड़ जुटाए (FY के पहले 9 माह)
- यूनिक निवेशक : 4.3 करोड़ (2020) 13.7 करोड़ (अब)
- कुल इक्विटी मोबिलाइजेशन : 3.8 लाख करोड़ से अधिक
- 2025 में मेनबोर्ड आईपीओ से 1.72 लाख करोड़, 8% वृद्धि
- महाराष्ट्र, दिल्ली–एनसीआर और कर्नाटक IPO गतिविधि में अग्रणी
- 60% छोटे ब्रोकर्स नए तकनीकी ढांचे से बाहर, अनुपालन बोझ कम

निवेशक आधार में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी

सेबी अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2020 में जहां देश में यूनिक निवेशकों की संख्या 4.3 करोड़ थी, वहीं अब यह बढ़कर 13.7 करोड़ तक पहुंच चुकी है। यह वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था में घरेलू बचत के पूंजी बाजार की ओर स्थानांतरण का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल इक्विटी मोबिलाइजेशन 3.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, जो पूंजी निर्माण की तेज रफ्तार को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के कैलेंडर वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार, मेनबोर्ड आईपीओ से 1.72 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जो सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

स्टॉक ब्रोकर्स को राहत, अनुपालन होगा सरल

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेबी ने स्टॉक ब्रोकर्स के लिए तकनीकी गड़बड़ियों (टेक्निकल ग्लिच) से जुड़े नियामकीय ढांचे में अहम बदलाव किए हैं। नया ढांचा अब केवल उन ब्रोकर्स पर लागू होगा, जिनके पास 10,000 से अधिक पंजीकृत ग्राहक हैं। सेबी के अनुसार, इस बदलाव से लगभग 60 प्रतिशत छोटे स्टॉक ब्रोकर्स कड़े अनुपालन नियमों से बाहर हो जाएंगे, जिससे उनका नियामकीय बोझ काफी कम होगा।

चावल निर्यात : वैश्विक मार्केट में भारत का दबदबा

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक चावल बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और सुदृढ़ करते हुए बीते वर्ष निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। सरकारी प्रतिबंध हटने के बाद भारत से चावल की आपूर्ति तेज हुई, जिससे निर्यात में लगभग 19.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और आंकड़े रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए।

सरकारी और उद्योग जगत से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, निर्यात पर लगी पाबंदियां समाप्त होने के बाद भारतीय चावल अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक सस्ता और प्रतिस्पर्धी हो गया। इसका सीधा असर यह हुआ कि थाईलैंड और वियतनाम जैसे प्रमुख निर्यातक देशों की हिस्सेदारी में गिरावट देखने को मिली। भारत पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है और उसकी बढ़ी हुई आपूर्ति ने एशियाई बाजार में कीमतों को करीब एक दशक के निचले स्तर तक पहुंचा दिया। कम कीमतों का लाभ खासतौर पर अफ्रीकी देशों और कम आय वाले उपभोक्ताओं को मिला है, जहां चावल प्रमुख खाद्य पदार्थ है। अधिकारियों ने बताया कि मार्च में निर्यात प्रतिबंध हटाए जाने के बाद भारतीय चावल की मांग में तेजी आई। देश में रिकॉर्ड उत्पादन होने से घरेलू आपूर्ति मजबूत रही, जिसके चलते सरकार ने 2022 और 2023 के दौरान लगाए गए सभी प्रतिबंधों को पूरी तरह समाप्त कर दिया।

21.59 करोड़ हुई D-Mat खातों की संख्या

- डीमैट खातों की वृद्धि छह साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार डीमैट खातों की कुल संख्या बढ़कर 21.59 करोड़ में निवेश को लेकर नए निवेशकों की सक्रियता में वर्ष 2025 के दौरान स्पष्ट ठहराव देखने को मिला है। बीते छह वर्षों की तुलना में इस वर्ष डीमैट खातों की संख्या में सबसे कम वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बाजार के प्रति निवेशकों के बदले हुए रुझान के संकेत मिलते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक देश में डीमैट खातों की कुल संख्या बढ़कर 21.59 करोड़ पहुंच गई, जो वर्ष 2024 के अंत में 18.53 करोड़ थी। इस प्रकार पूरे वर्ष में डीमैट खातों की संख्या में 16.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वैश्विक अनिश्चितता का असर निवेशकों में सतर्कता

विशेषज्ञों का मानना है कि डीमैट खातों की वृद्धि दर में आई इस गिरावट के पीछे वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव प्रमुख कारण रहा। इन परिस्थितियों का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा, जिससे नए निवेशकों ने सीमित और सतर्क रुख अपनाया। हालांकि, इसके बावजूद भारत में डीमैट खातों की कुल संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर बनी हुई है, जो यह दर्शाता है कि शेयर बाजार से लोगों का जुड़ाव कायम है, लेकिन तेजी के बजाय स्थिरता का दौर चल रहा है।सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में खुले नए डीमैट खातों में सीडीएसएल की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही।

बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया एनआरआई होमकमिंग सेलिब्रेशन

मुंबई। प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बैंक ऑफ इंडिया के मुंबई दक्षिण क्षेत्र ने गरवारे क्लबहाउस, मुंबई में एनआरआई होमकमिंग सेलिब्रेशन 2026 का आयोजन किया। इस विशेष कार्यक्रम में 65 से अधिक सम्मानित एनआरआई ग्राहकों ने भाग लिया और बैंक के साथ अपने लंबे जुड़ाव को साझा किया। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया की सीनियर लीडरशिप मौजूद रही, जिनमें प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रजनीश कर्नाटक, कार्यकारी निदेशक श्री सुब्रत कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एफसीजीएमओ मुंबई श्री राजीव मिश्रा, महाप्रबंधक (एचओ–संसाधन) श्री मुकेश शर्मा, महाप्रबंधक (एचओ–मार्केटिंग एंड टीपीपी) श्री पी. के. सिन्हा सहित हेड ऑफिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। नवी मुंबई ज़ोन के ज़ोनल मैनेजर श्री शशिकांत सदाभर्टिया ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुंबई दक्षिण क्षेत्र के ज़ोनल मैनेजर श्री मधुकर ने गणमान्य अतिथियों और एनआरआई ग्राहकों का स्वागत करते हुए बैंक ऑफ इंडिया के एनआरआई बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए सुरक्षित, निर्बाध और डिजिटल रूप से सक्षम बैंकिंग समाधान उपलब्ध कराने की बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बैंक की सीनियर लीडरशिप ने भारत के आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण में एनआरआई समुदाय की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया विदेशों में रहने वाले भारतीयों की वित्तीय यात्रा में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में निरंतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान यह भी बताया गया कि बैंक किस तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए क्रॉस-बॉर्डर बैंकिंग को तेज, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक बना रहा है।

Bank of India
Relationship beyond banking

कार्यक्रम में एनआरआई ग्राहकों के लिए उपलब्ध डिजिटल सेवाओं की जानकारी साझा की गई, जिनमें आसान ऑनलाइन अकाउंट ओपनिंग, एंड-टू-एंड डिजिटल रेमिटेंस सॉल्यूशन, 24×7 मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग, त्वरित फंड ट्रांसफर और विशेष रिलेशनशिप सपोर्ट शामिल हैं। बैंक नेतृत्व ने एनआरआई परिवारों से अपील की कि वे अपनी अगली पीढ़ी को भी बैंक ऑफ इंडिया की ग्लोबल बैंकिंग सेवाओं जैसे सेविंग्स, निवेश, होम लोन, ट्रेड और फॉरेक्स सॉल्यूशन से जोड़ें, ताकि भारत के साथ उनका वित्तीय रिश्ता और मजबूत हो सके।

बैंक अधिकारियों ने आमंत्रितों को संबोधित करते हुए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बैंक की डिजिटल पहलों पर भी प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि बैंक ऑफ इंडिया की मौजूदगी वर्तमान में 5 महाद्वीपों के 15 देशों में है। बैंक की 4 सहायक कंपनियों, 1 प्रतिनिधि कार्यालय और 1 जॉइंट वेंचर सहित कुल 47 विदेशी शाखाएं और कार्यालय टोक्यो, सिंगापुर, हांगकांग, लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क, डीआईएफसी दुबई और गिफ्ट सिटी गांधीनगर जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में कार्यरत हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा बंगाल बनाम ईडी विवाद

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले आई-पैक के कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने इसे चुनावी समय में विपक्ष को निशाना बनाने की कार्रवाई बताया है, जबकि दूसरी ओर ईडी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल सरकार उसकी जांच और तलाशी अभियान में दखल दे रही है और काम में बाधा डाल रही है। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की तरफ से दायर याचिका में बताया गया है कि गुरुवार को जब एजेंसी ने इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के मुख्यालय और कोलकाता में उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी अभियान चलाया, तब राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से रुकावटें डाली गईं।

एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट से की ये मांग

ऐसे में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि उसे निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के अपनी जांच करने की अनुमति दी जाए। साथ ही एजेंसी ने यह भी कहा है कि किसी भी राज्य सरकार को केंद्रीय जांच एजेंसियों के काम में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

ममता सरकार ने भी दाखिल किया कैविएट

बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दिया है। इस कैविएट में बंगाल सरकार ने अनुरोध किया है कि सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष सुने। सूत्रों के मुताबिक, ईडी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना पर विचार कर रही है। एजेंसी मौजूदा कानूनी विकल्पों को अंतिम रूप देने से पहले सभी संभावनाओं पर गौर कर रही है। बता दें कि कैविएट उन मामलों में दाखिल किया जाता है ताकि अदालत किसी पक्ष की सुनवाई के बिना कोई निर्णय न ले सके।

IPAC विवाद की शुरुआत

गुरुवार को ईडी ने कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के कोलकाता स्थित ऑफिस और इसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंच गईं और एजेंसी का दावा है कि इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तलाशी स्थलों पर प्रवेश कर महत्वपूर्ण साक्ष्य, जैसे दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अपने कब्जे में ले लिए। ईडी और टीएमसी ने इस मामले में एक-दूसरे के खिलाफ FIR दर्ज कराई है।

ममता सरकार ने ईडी पर लगाए आरोप

वहीं सीएम ममता बनर्जी ने इसके बाद ईडी पर अधिकारी क्षेत्र से बाहर कदम उठाने का आरोप लगाया। ईडी ने कोलकाता उच्च न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ CBI जांच की मांग की, यह आरोप लगाते हुए कि उन्होंने पुलिस की मदद से जैन के घर से एजेंसी के कब्जे में मौजूद साक्ष्यों को हटा लिया।

TMC का आरोप: चुनावी रणनीति पर हमला

टीएमसी का आरोप है कि ईडी का उद्देश्य भ्रष्टाचार की जांच नहीं बल्कि चुनावी रणनीति और गोपनीय डेटा चुराना है। ममता बनर्जी ने कहा कि ईडी अधिकारी सुबह 6 बजे पहुंचे, जबकि वह 11:45 बजे मौके पर आईं। उन्होंने केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग और विपक्षी पार्टी बीजेपी को कई राज्यों में सत्ता दिलाने का आरोप लगाया।

कन्नड़ लेखिका और प्रकाशक आशा रघु ने किया सुसाइड

एजेंसी । बेंगलुरु

प्रख्यात कन्नड़ लेखिका और प्रकाशक आशा रघु (46) का शनिवार को बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित उनके आवास पर आकस्मिक निधन हो गया। पुलिस के अनुसार, उन्होंने आत्महत्या की है और प्रारंभिक जांच में इसे अस्वाभाविक मृत्यु के रूप में दर्ज किया गया है। उनके पति, केसी रघु के दो साल पहले हुए निधन के बाद से वह गहरे अवसाद (डिप्रेशन) में थीं। वह अपने पीछे एक बेटी और शोक संतप्त परिवार छोड़ गई हैं। आशा रघु का जन्म 18 जून, 1979 को हुआ था। उन्होंने बेंगलुरु विश्वविद्यालय से कन्नड़ विषय में स्नातकोत्तर (MA) की डिग्री प्राप्त की थी। उनके माता-पिता केशवा अयंगर और सुलोचना थे। शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने एक प्रवक्ता (Lecturer) के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन साहित्य और कला के प्रति उनका झुकाव उन्हें रचनात्मक क्षेत्रों की ओर ले गया।

कला और मनोरंजन जगत में योगदान

साहित्य में पूरी तरह रमने से पहले, आशा रघु रंगमंच, टेलीविजन और सिनेमा से भी गहराई से जुड़ी रहीं। उन्होंने इन क्षेत्रों में न केवल संवाद लेखक के रूप में काम किया, बल्कि एक सहायक निर्देशक के तौर पर भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। बाद में उन्होंने अपना पूरा ध्यान पुस्तक प्रकाशन और गंभीर लेखन की ओर केंद्रित कर लिया।

प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ

आशा रघु ने कन्नड़ साहित्य को कई महत्वपूर्ण कृतियाँ दीं। उनके चर्चित उपन्यासों में 'आवर्ता', 'गाता', 'मायें' और 'चित्तरंगा' प्रमुख हैं। इसके अलावा, उन्होंने लघु कहानी संग्रह (जैसे 'आराने बेरालू', 'अपरूपा पुराण काथेगलु') और 'चूड़ामणि' व 'क्षमादान' जैसे नाटक भी लिखे। एक प्रकाशक के रूप में भी उन्होंने कई वर्षों तक कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया।

सम्मान और उपलब्धियाँ

उनकी साहित्यिक उत्कृष्टता के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उन्हें कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार, सूर्यनारायण चाडगा पुरस्कार और कन्नड़ साहित्य परिषद के कई सम्मान प्राप्त हुए। इसके अलावा उन्हें 'साहित्यामृत सरस्वती' और 'अम्मा पुरस्कार' जैसे क्षेत्रीय सम्मानों से भी नवाजा गया था, जो उनके लेखन की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तानी हैंडलर है अवैध सिम बॉक्स नेटवर्क का सरगना

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई के डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय 'अवैध सिम बॉक्स नेटवर्क' गिरोह का मास्टरमाइंड एक पाकिस्तानी हैंडलर है। मोहाली से बरामद एक सिम कार्ड का आईएमईआई पाकिस्तानी सिम कंपनी फेमा से जुड़ा हुआ था। विनीत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में शशि प्रसाद, परमिंदर सिंह, ताइवानी नागरिक त्सुंग चेन, सरबजीत सिंह, जसप्रीत कौर, दिनेश और अब्दुल सलाह हैं। जांच में पता चला है कि इनके पास सिविल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा है। यही वजह है कि सभी आरोपियों को तकनीक की अच्छी जानकारी थी। आरोपियों से ये उपकरण और दस्तावेज बरामद डीसीपी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 22 सिम बॉक्स, आठ मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप, सात सीसीटीवी कैमरे, पांच राउटर बरामद किए गए हैं।

झारखंड में शीतलहर का प्रकोप

रांची। झारखंड के कई हिस्सों में शनिवार को भी शीतलहर का प्रकोप जारी रहा। आठ जिलों में अचानक से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, खूंटी 1.4 डिग्री के साथ राज्य में सबसे ठंडा स्थान रहा। डालटनगंज में 3.5, बोकारो थर्मल में 6.1 डिग्री तापमान रहा। विभाग ने गुमला, रांची और खूंटी जिलों में रविवार तक शीतलहर की स्थिति का यलो अलर्ट जारी किया है। रांची स्थित मौसम केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि झारखंड के ऊपर क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तर-पश्चिमी से उत्तरी हवाएं लगातार चल रही हैं जिसके कारण राज्य के कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

अस्पतालों में भेजी जाने वाली दवाओं की जांच

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGHS) ने अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत DGHS की केंद्रीय प्रोक्योरमेंट एजेंसी (CPA) अब निजी ड्रग टेस्टिंग लैबों को अपने पैनल में शामिल करेगी। ये लैब CPA द्वारा खरीदी गई दवाओं, सर्जिकल सामानों और चिकित्सा उपकरणों की सख्त जांच करेंगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में घटिया स्तर की दवाएं न पहुंच सकें और निगरानी तंत्र को पहले से अधिक मजबूत बनाया जा सके। CPA इन ड्रग टेस्टिंग लैबों को शुरुआती तीन वर्षों के लिए पैनल में शामिल करेगा, जिसे बाद में दो साल तक और बढ़ाया जा सकेगा।

बिहार में आज से तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड रहेगी

पटना। बिहार में रविवार से तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं। रविवार को पटना समेत 17 जिलों में शीत दिवस की चेतावनी जारी की गई है। 31 जिलों में घने कोहरा छा सकता है। शनिवार को प्रदेश के न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट से 32 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहा।

ज्यादातर जिलों में सुबह घना कोहरा रहा। पूर्णिया, छपरा, दरभंगा, अररिया, मधेपुरा, वैशाली, सहरसा, अरवल, मुंगेर जिला भीषण शीत दिवस और पटना व भागलपुर शीत दिवस की चपेट में रहा।

उत्तराखंड के पहाड़ों पर पाला, मैदान में कोहरा

उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, लेकिन कड़ाके की ठंड से फिलहाल राहत मिलती नहीं दिख रही। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों में घने कोहरे और पर्वतीय क्षेत्रों में पाला पड़ने को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने कहा कि रविवार को हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों में घना कोहरा छा सकता है। नैनीताल, चंपावत, पौड़ी और देहरादून के मैदानी क्षेत्रों में भी घना कोहरा रह सकता है। इससे विजिबिलिटी कम होने और यातायात प्रभावित होने की आशंका है। उधर, पर्वतीय क्षेत्रों में पाला पड़ने से सुबह और शाम की ठिठुरन और बढ़ सकती है।

फैक्टरी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

दो गिरफ्तार, एक आरोपी टीएमसी का युवा नेता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन बंगाल से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटनाएं सामने आती रहती हैं। अब हुगली जिले में एक सुनसान फैक्टरी में किशोरी से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार (10 जनवरी) को बताया कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक नाबालिग, जिसकी उम्र 16 साल बताई जा रही है, वो गुरुवार शाम (08 जनवरी) को अपने एक दोस्त के साथ बंद पड़ी हिंदमोटर फैक्टरी परिसर में गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोप है कि आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिसर के अंदर नाबालिग के साथ शारीरिक दुराचार किया। पुलिस ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, और मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है।

आरोपियों में एक टीएमसी का युवा नेता

पुलिस ने इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप लगाए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से एक की पहचान दीपांकर अधिकारी उर्फ सोनाई के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर इलाके में तृणमूल कांग्रेस का युवा नेता है। जबकि दूसरा शख्स लड़की का कथित प्रेमी है, जो कि नाबालिग है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के दो और साथियों की तलाश कर रहे हैं। वे फरार हैं, और उन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

बंगाल में पटाखा बनाने वाली इकाई में धमाका, चार घायल

दक्षिण 24 परगना जिले में पटाखा बनाने वाली एक यूनिट में धमाके में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमाका चंपाहाटी इलाके में फैक्टरी में हुआ। बारुईपुर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया।' उन्होंने बताया कि धमाके से लगी आग को बुझाने के लिए कई दमकल गाड़ियों को लगाया गया। अधिकारी ने आगे कहा कि धमाके के कारण का अभी पता नहीं चला है। जांच शुरू है।'

अन्नाद्रमुक के रुख से भाजपा को लग सकता है झटका

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन की कोशिशों में जुटी भाजपा को अन्नाद्रमुक के आंतरिक कलह से झटका लग सकता है। अन्नाद्रमुक नेता ई. पलानीस्वामी अभी भी पार्टी के अन्य धड़ों (ओ. पनीरसेल्वम और शशिकला) को साथ लेने के लिए तैयार नहीं हैं। भाजपा की कोशिश है कि एक मजबूत मोर्चा बनाने के लिए सभी गुट एकजुट हों, लेकिन पलानीस्वामी के कड़े रुख के कारण गठबंधन की एकजुटता पर सवालिया निशान लगा हुआ है।

गठबंधन के भीतर सीटों के गणित को लेकर भी स्थिति उलझी हुई है। भाजपा ने राज्य की 234 विधानसभा सीटों में से अपने लिए 70 सीटों की मांग की है, जबकि अन्नाद्रमुक खुद 170 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

पीएमके और अन्य धड़ों का समीकरण

गठबंधन में शामिल ए. रामदास के नेतृत्व वाली पीएमके को लगभग 16 सीटें देने का फॉर्मूला सामने आया है। भाजपा इस विकल्प पर भी विचार कर रही है कि वह अपने हिस्से की सीटों से अन्नाद्रमुक के अलग हुए धड़ों (पनीरसेल्वम और शशिकला गुट) को सीटें दे दे, ताकि विपक्षी वोट न बंटें। हालांकि, इसके लिए भी पलानीस्वामी की सहमति अनिवार्य है, जो फिलहाल मिलती नहीं दिख रही। तमिलनाडु की रणनीति को सुलझाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल खुद कमान संभाल रहे हैं।

मिड-डे-मील घोटाले में जल्द केस दर्ज करेगी ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान राजस्थान में मिड-डे मील योजना में कथित 2,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला जल्द ही दर्ज करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 7 जनवरी को इस मामले में एफआईआर दर्ज की और राजस्थान कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन लिमिटेड (सीओएनएफओडी) के कुछ रिटायर्ड अधिकारियों, कुछ व्यक्तियों और फर्मों सहित 21 आरोपियों को विभिन्न धाराओं के तहत नामजद किया। 22 पन्नों की एफआईआर में कहा गया कि यह मामला ईडी द्वारा 2024 में भेजे गए एक रेफरेंस से सामने आया है। राज्य में योग्य स्कूली बच्चों को दाल, खाना पकाने का तेल और मसाले वाले सूखे राशन पैकेट देने में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप है।

उत्तर भारत में अभी बना रहेगा शीतलहर का असर

नई दिल्ली/ जयपुर/ श्रीनगर/ चंडीगढ़। उत्तर, उत्तर-पश्चिम भारत में कोहरे और शीतलहर का प्रकोप जारी है। पर्वतीय राज्यों में जहां तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग ने 17 जनवरी तक उत्तर, पश्चिम भारत में शीतलहर और कोहरा बने रहने के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह उत्तर-पश्चिम भारत में घना कोहरा छाने के आसार हैं। शनिवार को बिहार, राजस्थान में कई जगह शीत दिवस की स्थिति बनी रही। हिमाचल प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड, ओडिशा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में शीत लहर से कंपकंपी के हालात रहे। उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में

पाला पड़ने की स्थिति दर्ज की गई। राजस्थान में शनिवार को कई इलाके शीतलहर से जूझते रहे। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में कई जगह मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार दोपहर धूप खिलने से हल्की राहत तो मिली, लेकिन ठंडी हवाएं चलने से सर्दी का अहसास बना रहा। उधर, जम्मू-कश्मीर जबरदस्त सर्दी की चपेट में है।

तहव्वुर राणा ने सौंपी मनपसंद वकीलों की सूची

नई दिल्ली। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने अपनी कानूनी पैरवी के लिए अपनी पसंद के वकीलों की एक सूची पटियाला हाउस स्थित विशेष एनआईए अदालत को सौंपी है। इस सूची में दिल्ली और उसके बाहर के लगभग 10 वकीलों के नाम शामिल हैं। विशेष जज प्रशांत शर्मा ने इन नामों पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को यह जिम्मेदारी सौंपी है कि वे सूची में दिए गए वकीलों से संपर्क करें। अदालत ने निर्देश दिया है कि एनआईए यह सुनिश्चित करे कि उनमें से कौन राणा का केस लड़ने के लिए तैयार है और उनकी औपचारिक लिखित सहमति प्राप्त कर अदालत में पेश करे। सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए राणा ने स्पष्ट किया कि वह अपनी पसंद का वकील चुनना चाहता है। उसने विशेष रूप से अधिवक्ता एम.एस. खान का नाम अपनी प्राथमिकता के तौर पर लिया। अदालत ने इस प्रक्रिया को पूरा करने और वकीलों की सहमति की स्थिति से अवगत कराने के लिए 12 मार्च की तारीख तय की है।

शोध चीन स्थित जीनान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने किया दावा

तेज रोशनी से कम होगी भूख और घटेगा वजन

30 मिनट की थेरेपी वजन घटाने और अवसाद में जरूरी

शंघाई। चीन के जीनान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक हालिया शोध में यह सामने आया है कि तेज रोशनी के संपर्क में रहने से न केवल भूख कम लगती है, बल्कि वजन बढ़ने की रफ्तार भी धीमी हो जाती है। यह अध्ययन चूहों पर किया गया, जिसमें पाया गया कि जो चूहे रोजाना तेज रोशनी में रहे, उनके भोजन की मात्रा में उल्लेखनीय कमी आई। यह खोज इस बात की पुष्टि करती है कि हमारे आसपास का वातावरण हमारी जैविक प्रक्रियाओं को गहराई से प्रभावित करता है।

मस्तिष्क का 'न्यूरल सर्किट' और भूख

इस शोध की सबसे बड़ी उपलब्धि उस 'न्यूरल सर्किट' या दिमागी रास्ते की पहचान करना है, जो आंखों से भूख के केंद्र तक जाता है। जब आंखों के रेटिना पर तेज रोशनी पड़ती है, तो खास कोशिकाएं सक्रिय होकर दिमाग के 'लेटरल हाइपोथैलेमिक एरिया' को सिग्नल भेजती हैं। यह हिस्सा शरीर को निर्देश देता है कि अब और भोजन की आवश्यकता नहीं है। इस प्रकार, रोशनी सीधे तौर पर मस्तिष्क के जरिए हमारी भूख को नियंत्रित करती है।

मेटाबॉलिज्म और जैविक घड़ी पर प्रभाव

विशेषज्ञों के अनुसार, तेज रोशनी हमारी आंतरिक जैविक घड़ी (सर्कैडियन रिदम) को संतुलित करती है। यह शरीर को संकेत देती है कि यह सक्रिय रहने का समय है, जिससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। अब तक लाइट थेरेपी का उपयोग केवल डिप्रेशन और अनिद्रा जैसी मानसिक समस्याओं के लिए किया जाता था, लेकिन इस अध्ययन ने साबित कर दिया है कि इसका सीधा संबंध हमारे वजन और शारीरिक चयापचय से भी है।

भविष्य की संभावनाएं और जीवनशैली

आने वाले समय में इस शोध का असर हमारे घरों और दफ्तरों की बनावट पर भी पड़ सकता है। विशेषज्ञ अब इस पाथवे को और गहराई से समझने की योजना बना रहे हैं ताकि रोशनी के डिजाइन में बदलाव करके लोगों को स्वस्थ रखा जा सके।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई
रविवार, 11 जनवरी 2026

चुनावी चकल्लस

(अमित बृज)

बिरयानी की प्लेट में लोकतंत्र

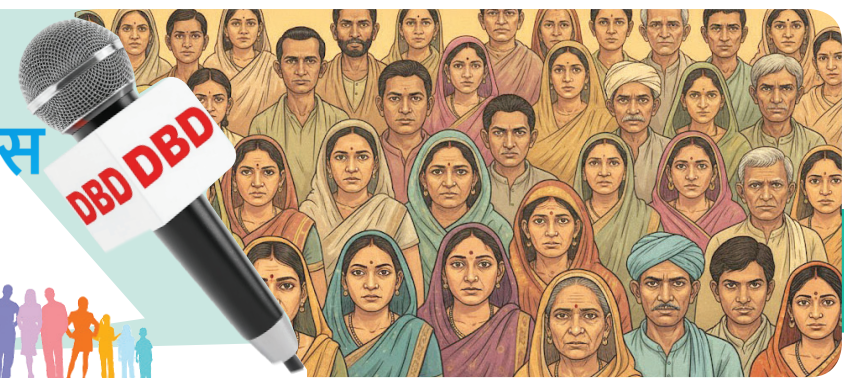

महाराष्ट्र की ठंडी आबोहवा में इन दिनों दो ही चीजें गरम हैं—एक चुनाव और दूसरा भी चुनाव। चुनाव क्या है। चुनाव बिल्कुल शादी जैसी है। इसमें भी 'आई लव यू' और 'मैं तुम्हारे लिए चाँद-तारे तोड़ लाऊँगा' जैसे वादे सिर्फ 'शादी' यानी वोटिंग तक ही किए जाते हैं। एक बार सत्ता (या बीवी) हाथ में आ गई, तो फिर अगले पांच साल तक सिर्फ यह पूछा जाता है- 'आज खाने में क्या बनाया है?' गली कूचों में इन दिनों साक्षात 'लोकतंत्र' विचरण कर रहा है, जो कभी साड़ी पहनकर आता है तो कभी हाथ में बिरयानी का डोंगा लिए हुए।

लाड़की बहनों की 'अनलकी' लिस्ट

राजनीति के चाणक्य आजकल उन 'लाड़की बहनों' की खोज में हैं, जिनका नाम सरकारी 'लाड़की बहन योजना' की लिस्ट से तकनीकी कारणों से वैसे ही उड़ गया, जैसे किसी मुकद्दमे से जरूरी फाइल गायब हो जाती है। कार्यकर्ता महोदय अपनी डायरी में इन महिलाओं का नाम ऐसे दर्ज कर रहे हैं जैसे कोई हकीम लाइलाज बीमारी का नुस्खा लिख रहा हो। उन्हें समझाया जा रहा है कि सरकार ने तो तुम्हें ठगा, पर हम 'प्योर कैश' वाले मसीहा हैं।

अंधेरी रात और उजाले के पैकेट

मुंबई से लेकर उल्हासनगर तक की तंग गलियों में आचार संहिता का हाल वैसा ही है जैसा कॉलेज की लाइब्रेरी में 'शांति बनाए रखें' वाले बोर्ड का होता है। मतलब सबको दिखता है, पर मानता कोई नहीं। कुछ वार्डों में सुना गया है कि वोट की कीमत 2,000 से 3,000 के बीच झूल रही है। प्रतिद्वंद्वी दल भी कम नहीं हैं, वे छोटे पैकेटों में नकद बाँटकर मतदाताओं के मन की शांति भंग करने में जुटे हैं। रात के अंधेरे में 'गुप्त दावत' का आयोजन हो रहा है। जहाँ बिरयानी की खुशबू और शराब के पाउच मिलकर वह माहौल बनाते हैं जिसे देखकर अच्छे-अच्छे वैरागी भी अपनी निष्ठा बदल लें। महिलाओं के लिए साड़ियाँ और मिक्सर-ग्राइंडर ऐसे बाँटे जा रहे हैं जैसे चुनाव नहीं, बल्कि सामूहिक विवाह का निमंत्रण हो।

अंत में सब माया है

कुल मिलाकर, महाराष्ट्र में इन दिनों राजनीति 'लोकसेवा' से ऊपर उठकर 'इवेंट मैनेजमेंट' बन गई है। उम्मीदवार हाथ जोड़कर ऐसे खड़े हैं जैसे किसी पुराने पाप का प्रायश्चित कर रहे हों, और मतदाता भी मुस्कुराकर साड़ी ले रहा है, यह जानते हुए कि चुनाव के बाद यही उम्मीदवार फिर 'नॉट रीचेबल' मोड में जाने वाला है। और हां, जाते जाते एक चुनावी जोक सुनते जाएं। जोक यूँ है कि नेताओं से भरी एक बस जा रही थी अचानक बस सड़क से नीचे उतरकर खेत में एक पेड़ से जा टकराई। खेत मालिक दौड़ता हुआ आया सब कुछ देखकर उसने एक गड्ढा खोदना शुरू किया और फिर उसमें नेताओं को दफना दिया। कुछ दिन बाद पुलिस को बस के एक्सीडेंट के बारे में पता लगा पुलिस ने किसान से पूछा कि सारे नेता कहां गए? आदमी ने बताया कि उसने सभी को दफना दिया है पुलिस ने पूछा, सब मर गए थे क्या? आदमी बोला, नहीं, कुछ कह रहे थे कि वे नहीं मरे, पर आप तो जानते ही हैं कि ये नेता झूठ कितना बोलते हैं। अब उनकी बात का विश्वास नहीं किया जा सकता न?

क्या बोलती पब्लिक

जहाँ नेता जनता के वोट का सम्मान करता है, वहीं लोकतंत्र मजबूत होता है, क्योंकि सच्चा नेतृत्व जागरूक मतदाताओं के विश्वास से जन्म लेता है।

–निषद सुर्वे, मुंबई

चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा इम्तिहान होते हैं, जहाँ सत्ता की नहीं, जनता की चलती है। शांत-सा दिखने वाला एक वोट भविष्य की तस्वीर बदल सकता है।

–ऋतिक गोपी, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

ठाणे महानगरपालिका

एक कुर्सी अनेक दावेदार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महानगरपालिका चुनाव इस बार एक ऐतिहासिक मोड़ पर है। जहाँ आमतौर पर पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला होता था, वहीं इस बार 17 सीटों पर 'हॉट फाइट' देखने को मिल रही है। शहर की प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुके इन चुनावों में कांग्रेस और मनसे के शहर अध्यक्षों की साख दांव पर लगी है। शिवसेना के दो गुटों में बंटने के बाद से जमीन पर कार्यकर्ताओं और पूर्व नगरसेवकों के बीच का संघर्ष और भी तीव्र हो गया है।

प्रभाग 1 और 2 : अपनों की चुनौती और दिग्गज भिड़ंत

प्रभाग क्रमांक 1 में सत्ताधारी शिंदेसेना के भीतर ही दरार नजर आ रही है। यहाँ पार्टी ने नम्रता घरत को टिकट दिया है, जिससे नाराज होकर रवि घरत ने पूर्व नगरसेवक सिद्धार्थ ओवळेकर के खिलाफ निर्दलीय मोर्चा खोल दिया है। वहीं, प्रभाग क्रमांक 2 में भाजपा के कद्दावर नेता और लगातार तीन बार के विजेता मनोहर डुंबरे का सामना मनसे के ठाणे शहर अध्यक्ष रवींद्र मोरे से है, जो इस मुकाबले को बेहद रोमांचक बना रहा है।

प्रभाग क्रमांक 3 : बगावत और निलंबन का चुनावी असर

प्रभाग क्रमांक 3 की लड़ाई सिद्धांतों और वफादारी के बीच फंसी है। पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निलंबित होने के बावजूद शिंदेसेना ने विक्रांत वायचळ पर भरोसा जताया है। हालांकि, पूर्व नगरसेवक दर्शन भोईर ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरकर समीकरण बिगाड़ दिए हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि टिकट वितरण को लेकर जमीनी स्तर पर असंतोष गहरा है, जिसका खामियाजा आधिकारिक उम्मीदवारों को भुगतना पड़ सकता है।

17 जगहों पर 'बिग फाइट'

कल्याण-डोंबिवली: निर्विरोध चुनाव और शेष चुनौतियां

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में 122 में से 20 सीटों पर भाजपा और शिंदेसेना के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। इससे भले ही 'बिग फाइट' वाली सीटों की संख्या कम हुई हो, लेकिन शेष वार्डों में मुकाबला और भी कड़ा हो गया है। यहाँ दिग्गज नगरसेवकों का राजनीतिक भविष्य दांव पर है, क्योंकि कई वार्डों में पूर्व सहयोगियों ने ही एक-दूसरे के खिलाफ पर्चा दाखिल किया है। इन चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ केवल दल नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संबंध और 'पिता-पुत्री' जैसी पारिवारिक साख भी दांव पर लगी है। बागियों की बढ़ती संख्या और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रभाव यह संकेत दे रहा है कि परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं। ठाणे और कल्याण की ये 17-20 हॉट सीटें ही अंततः तय करेंगी कि महानगरपालिका की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

कोपरी और मध्य ठाणे में प्रतिष्ठा की लड़ाई

कोपरी क्षेत्र में महिला उम्मीदवारों के बीच जोरदार टक्कर है, जहाँ शिंदेसेना की नम्रता पमनानी और मनसे की राजेश्री नाईक आमने-सामने हैं। इसी तरह वार्ड 21 में भाजपा के सुनेश जोशी को अपनी ही पार्टी के बागी किरण नाकती से जूझना पड़ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला कांग्रेस शहर अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण और भाजपा के वैभव कदम के बीच है, जो यह तय करेगा कि शहर की राजनीति में कांग्रेस अपना वजूद कितना बचा पाती है।

मुंब्रा और कलवा: एनसीपी बनाम एनसीपी

मुंब्रा और कलवा के क्षेत्रों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों (अजित पवार और शरद पवार) के बीच सीधी जंग है। मुंब्रा में अशरफ पठाण (शरद पवार गुट) का मुकाबला तौहीद मोहम्मद शेख (अजित पवार गुट) से है। यहाँ पारिवारिक प्रतिष्ठा भी दांव पर है, क्योंकि अशरफ पठाण की बेटी मरझिया पठाण और पूर्व नगरसेविका अशरीन राऊत के बीच भी कड़ा मुकाबला है। यही स्थिति राबोडी और दिवा में भी देखी जा रही है जहाँ पुराने साथी अब प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं।

कलवा में महिलाओं और बागियों का वर्चस्व

कलवा क्षेत्र में मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। यहाँ मिलिंद पाटील (शिंदेसेना) और प्रकाश पाटील (शरद पवार गुट) के बीच जंग है, लेकिन सबकी नजरें मिलिंद की पत्नी मनाली पाटील और शिंदेसेना की बागी प्रमिला केणी के मुकाबले पर टिकी हैं। प्रमिला केणी की बगावत ने शिंदेसेना के लिए इस सीट पर मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। वहीं खारेगांव में उमेश पाटील और अभिजीत पवार के बीच वर्चस्व की लड़ाई जारी है।

मुंबई महानगरपालिका

दांव पर 'हेवीवेट' दिग्गजों की साख

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई नगर निगम चुनाव को सभी राजनीतिक दलों ने प्रतिष्ठा की लड़ाई बना लिया है। सत्ता हासिल करने के लिए सभी पार्टियों ने बेहद कद्दावर और सक्षम उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। मुंबई के 30 प्रभागों में बड़े नेताओं के बीच 'बिग फाइट' होने के आसार हैं। पूर्व नगरसेवकों को कड़ी चुनौती देने के लिए जहां कुछ नए चेहरों को मौका दिया गया है, वहीं विधायकों और सांसदों के वारिसों को चुनावी रण में उतारकर पार्टियों ने मुकाबले को और भी रोमांचक बना दिया है। कुछ प्रभागों में स्थिति ऐसी है कि पाला बदलने वाले नेता ही अब एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हैं। मुंबई के 14 प्रभागों में दो पूर्व नगरसेवक एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, एक दिलचस्प मामला प्रभाग 141 और 142 का है, जहाँ उद्धवसेना के पूर्व नगरसेवक विठ्ठल लोकरे (प्रभाग 141) और उनकी पत्नी सुनंदा लोकरे (प्रभाग 142) मैदान में हैं। मुंबई में पति-पत्नी के एक साथ चुनाव लड़ने का यह एकमात्र उदाहरण है।

30 प्रभागों में बड़े नेताओं के बीच कड़ा मुकाबला

मैदान में उतरीं तीन सांसदों की बेटियाँ

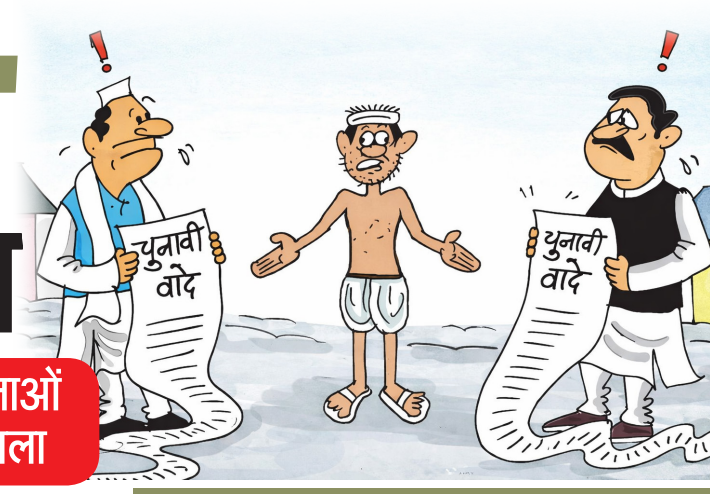

राजनीतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए इस बार मुंबई के चुनावी रण में तीन सांसदों की बेटियाँ अपनी किस्मत आजमा रही हैं, जिससे इन प्रभागों में मुकाबला काफी हाई-प्रोफाइल हो गया है। प्रभाग 73 से शिंदेसेना के सांसद रवींद्र वायकर की पुत्री दीप्ती वायकर-पोतनीस मैदान में हैं, जबकि प्रभाग 114 में उद्धवसेना के सांसद संजय दीना पाटील की बेटी राजुल अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं; वहीं प्रभाग 140 से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद चंद्रकांत हंडोरे की पुत्री प्रज्योती चुनावी मैदान में उतरकर अपने परिवार की साख बचाने की कोशिश कर रही हैं।

शिवसेना यूबीटी बनाम शिंदे सेना

मुंबई के कई वार्डों में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच सीधी भिड़ंत देखने को मिल रही है। वार्ड 199 में पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर (उद्धवसेना) का मुकाबला रुबल कुसले (शिंदेसेना) से है, जो इस चुनाव की सबसे हॉट सीटों में से एक है। वहीं, प्रभादेवी (वार्ड 194) में समाधान सरवणकर (शिंदेसेना) और निशिकांत शिंदे (उद्धवसेना) के बीच मुकाबला 'प्रतिष्ठा की लड़ाई' बन गया है। मध्य मुंबई के इन इलाकों में दोनों गुट खुद को असली शिवसैनिक साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

विधायकों के परिजन भी मैदान में

मुंबई नगर निगम चुनाव में केवल सांसदों की संतानें ही नहीं, बल्कि विधायकों के परिजन भी अपनी राजनीतिक पैठ मजबूत करने की होड़ में शामिल हैं। पत्नियों की चुनावी जंग में शिंदेसेना के चांदिवली विधायक दिलीप लांडे की पत्नी शैला (प्रभाग 163), उद्धवसेना के भायखला विधायक मनोज जामसुतकर की पत्नी सोनम जामसुतकर (प्रभाग 210) और अंधेरी पूर्व के शिंदेसेना विधायक मुरजी पटेल की पत्नी केशरबेन पटेल (भाजपा के टिकट पर प्रभाग 81 से) अपनी किस्मत आजमा रही हैं। दूसरी ओर, भाइयों और बेटों की श्रेणी में भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर के भाई प्रकाश दरेकर (प्रभाग 3), उद्धवसेना विधायक सुनील प्रभू के पुत्र अंकित (प्रभाग 54), उद्धवसेना विधायक हारून खान की बेटी सबा खान (प्रभाग 64) और कांग्रेस विधायक अस्लम शेख के पुत्र हैदरअली शेख (प्रभाग 34) के मैदान में होने से मुकाबला और भी कड़ा हो गया है।

बीजेपी और उद्धव सेना के बीच वर्चस्व की लड़ाई

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने गढ़ बचाने के लिए अनुभवी चेहरों पर भरोसा जताया है। दहिसर (वार्ड 2) में तेजस्वी घोसाळकर (बीजेपी) का मुकाबला धनश्री कोलगे (उद्धवसेना) से है। इसी तरह कोलाबा (वार्ड 225) में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर की भाभी हर्षिता नार्वेकर (बीजेपी) के सामने अजिंक्य धात्रक (उद्धवसेना) की चुनौती है। बीजेपी ने उत्तर भारतीय और मराठी मतदाताओं के बीच संतुलन बनाने के लिए अपनी रणनीति तैयार की है, जबकि उद्धव सेना 'मुंबई के गौरव' के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है।

मनसे की 'किंगमेकर' बनने की तैयारी

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कई वार्डों में मजबूत उम्मीदवार उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। मालाड (वार्ड 18) में सदिच्छा मोरे और दादर (वार्ड 192) में यशवंत किल्लेदार जैसे उम्मीदवार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। मनसे की सक्रियता ने विशेष रूप से मराठी बहुल इलाकों में महायुती और महाविकास अघाड़ी दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। माझगांव (वार्ड 209) में यामिनी जाधव (शिंदेसेना) के खिलाफ मनसे की हसीना माहिमकर के मैदान में होने से समीकरण दिलचस्प हो गए हैं।

बगावत और निर्दलीय उम्मीदवारों का दबाव

टिकट वितरण के बाद कई वार्डों में बगावत के सुर भी सुनाई दे रहे हैं। वार्ड 202 में उद्धव सेना ने विजय तेंदुलकर (निर्दलीय) को अपना समर्थन दिया है, जबकि उनके सामने पार्टी की ही श्रद्धा जाधव खड़ी हैं। ऐसे 'फ्रेंडली फाइट' और निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी ने आधिकारिक उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अब 16 जनवरी को आने वाले नतीजे ही तय करेंगे कि मुंबई का अगला 'महापौर' किस पार्टी का होगा।

अगर मैं नगरसेवक होता...

अगर मैं नगरसेवक होता, तो मेरा पहला उद्देश्य जनता की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान होता। साफ पानी, बेहतर सड़कें, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और सुरक्षित परिवहन मेरी प्राथमिकता होती। मैं हर वार्ड में नियमित जनसुनवाई कर नागरिकों की शिकायतें सीधे सुनता और समयबद्ध तरीके से उनका निपटारा करता। भ्रष्टाचार-मुक्त, पारदर्शी प्रशासन के लिए डिजिटल सिस्टम को बढ़ावा देता। झुग्गी-झोपड़ी पुनर्विकास, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूलों की गुणवत्ता और युवाओं के रोजगार पर विशेष ध्यान देता। मेरा प्रयास होता कि मुंबई सच में रहने योग्य, सुरक्षित और समान अवसरों वाला शहर बने।

– मुकेश सिंह, मुंबई

आंकड़ों में इलेक्शन

मुंबई चुनाव: घटते उम्मीदवार

मुंबई महानगरपालिका चुनावों के मैदान में उतरने वाले चेहरों में पिछले कुछ सालों में एक बड़ी कमी देखी गई है।

पिछले चुनावों का हाल

इस साल रिकॉर्ड गिरावट

केवल **1700** उम्मीदवार

इस बार उम्मीदवारों की संख्या घटकर केवल 1700 रह गई है, जो एक उल्लेखनीय कमी है।

उम्मीदवारी घटने के मुख्य कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, उम्मीदवारों की संख्या कम होने के पीछे सबसे बड़ा कारण चुनाव खर्च में हुई भारी बढ़ोतरी है। चुनाव प्रचार सामग्री, डिजिटल कैंपेन, वाहनों का काफिला और जनशक्ति (मैनपावर) के प्रबंधन का खर्च सामान्य उम्मीदवारों की पहुंच से बाहर हो गया है। चुनाव प्रचार पर कड़े प्रतिबंध, प्रिंटर-प्रकाशक की जानकारी देने की अनिवार्यता, खर्च की सीमा और सख्त कानूनी जांच के कारण भी कई इच्छुक उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने का विचार छोड़ दिया है।

बड़े दलों को मिल सकता है सीधा फायदा

राजनीतिक विश्लेषकों का मत है कि उम्मीदवारों की संख्या कम होने से मतों का विभाजन (Vote Splitting) कम होगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस बार के चुनाव में पार्टियों के बीच 'डायरेक्ट फाइट' अधिक स्पष्ट होगी। निर्दलीय उम्मीदवारों की कमी का फायदा बड़े और संगठित राजनीतिक दलों को मिल सकता है।

चुनावी कविता: मतदान

कौन कंस है कौन कृष्ण है
कौन है भोथर कौन तीक्ष्ण है
पहले हम पहचान करेंगे
फिर अपना मतदान करेंगे!

कौन है रक्षक कौन है भक्षक
कौन घास के अंदर तक्षक
पहले यह हम ध्यान धरेंगे
फिर अपना मतदान करेंगे!

संवेदन है कौन है शातिर
कौन है मरता देश की खातिर
पहले हम संधान करेंगे
फिर अपना मतदान करेंगे!

राजेश पाठक
अमरावती